हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 99 ● भिलाई, बुधवार 04 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

नोनी जिले में भीषण गोलीबारी में 3 कुकी ग्राम स्वयं सेवकों की मौत

इंफाल। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में एक बार फिर हिंसक घटनाओं से तनाव गहरा गया है। राज्य के नोनी जिले में एक सुदूर पहाड़ी गांव के जंगलों में दो सशस्त्र गुटों के बीच हुई भीषण गोलीबारी में कुकी समुदाय के तीन लोगों की गोली लगने से मौत हो गई। दूसरी तरफ, कांगपोकपी जिले से कई दिनों से लापता चल रहे दो युवकों के शव सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान बरामद किए गए हैं। इन दोनों घटनाओं के बाद संबंधित इलाकों में भारी तनाव फैल गया है, जिसके मद्देनजर सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, गोलीबारी की यह खूनी वारदात शनिवार सुबह नोनी जिले के अंतर्गत आते केकडू नागा गांव के नजदीकी पहाड़ी इलाके में शुरू हुई। दोनों पक्षों के बीच दुर्गम जंगलों में कई घंटों तक रुक-रुक कर भारी गोलीबारी चलती रही। मुठभेड़ समाप्त होने के बाद मौके से तीन लोगों के गोलियों से छलनी शव बरामद किए गए।

ट्रेलर और कार के बीच आमने-सामने जबरदस्त भिड़ंत

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में नेशनल हाईवे-28 पर एक मारुति ओमनी कार और भारी ट्रेलर के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार टक्कर में छह लोगों की मौके पर ही जान चली गई। वहीं, बाराबंकी में तेज रफ्तार एसयूवी ने दो बाइकों को रौंद दिया, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई। इसके अलावा मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर दो डबल डेकर बसों और कैंटर की भिड़ंत में आधा दर्जन से ज्यादा यात्री घायल हो गए। कुशीनगर जिले के हाटा कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एनएच-28 पर थरुआडीह के समीप देर रात यह दिल दहला देने वाली दुर्घटना घटी। मिली जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी लोग रिश्तेदारी में आयोजित एक मांगलिक कार्यक्रम में शरीक होकर वापस अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी ओमनी कार थरुआडीह के पास पहुंची, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर से उसकी भीषण भिड़ंत हो गई।

शराब माफिया का आतंक, ट्रक से थाना इंचार्ज को कुचला, अफसर ने मौके पर तोड़ा दम

देवास। मध्य प्रदेश के देवास जिले में शराब तस्करी की सूचना पर कार्रवाई के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। हरदा से गुजरात जा रहे संदिग्ध ट्रक का पीछा कर रही पुलिस टीम ट्रक को रोकने का प्रयास कर रही थी। इसी दौरान ट्रक चालक ने कथित रूप से वाहन चढ़ा दिया, जिसमें खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, देवास के एसपी आदित्य मिश्रा ने ट्रक को पकड़ने के लिए पांच से अधिक पुलिस टीमें बनाई थीं। इनमें कन्नौद, सतवास और खातेगांव के थाना प्रभारी सहित कई पुलिसकर्मी शामिल थे।

अमित शाह की राहुल गांधी को दो टूक

संसद चलने दें,हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है सरकार-अमित शाह

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के समापन समारोह के दौरान नवा रायपुर में मौसम का मिजाज बदल गया। आयोजन स्थल पर तेज बारिश शुरू होने के बावजूद समापन समारोह का कार्यक्रम शुरू हुआ। बारिश के बीच ही राज्योत्सव का समापन समारोह आयोजित किया जा रहा है। समारोह में शामिल होने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी नवा रायपुर पहुंचे। खास बात यह रही कि अमित शाह निर्धारित समय से पहले ही राज्योत्सव स्थल पहुंच गए। तेज बारिश के बीच उनके आगमन के साथ ही आयोजन स्थल पर हलचल बढ़ गई। राज्योत्सव 2026 के समापन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार संसद में हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। जरूरत पड़ने पर सरकार विशेष सत्र बुलाने को भी तैयार है। अमित शाह ने राहुल गांधी से संसद की कार्यवाही बाधित नहीं करने और सदन को सुचारु रूप से चलने देने की अपील की। अमित शाह ने कांग्रेस पर संसद की कार्यवाही को प्रभावित करने और समानांतर संसद के नाम पर बहस का दिखावा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार हर विषय पर चर्चा चाहती है और विपक्ष को भी सदन में अपनी बात रखने का अवसर लेना चाहिए। राहुल गांधी को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार प्रत्येक मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। आवश्यकता पड़ने पर विशेष सत्र बुलाने में भी सरकार को कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि संसद को ठप करने के बजाय वहां बहस होनी चाहिए, ताकि



देश की जनता खुद तय कर सके कि कौन सही बोल रहा है। राज्योत्सव समारोह में अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के गठन और विकास का उल्लेख करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया, जबकि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसे संवारने और विकसित करने का काम हुआ है। गृह मंत्री ने प्रदेशवासियों, खासकर आदिवासी समाज को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ अब नक्सलवाद के खतरे से मुक्त हो चुका है और विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। नक्सलवाद के खिलाफ अभियान में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और छत्तीसगढ़ पुलिस की भूमिका की अमित शाह ने प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। राज्य में शांति, सुरक्षा और विकास का वातावरण बनाने में जवानों का योगदान सराहनीय है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश में नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी गई है। कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के रूप में पहचाने जाने वाले इलाकों में अब विकास, शांति और विश्वास का नया माहौल बन रहा है। उन्होंने आगे कहा आने वाले सालों में छत्तीसगढ़ पर्यटन के लिए दुनियाभर में जानी जाएगी।

अमित शाह ने विकसित भारत संकल्प पार्क का किया लोकार्पण

रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-16 में विकसित भारत संकल्प पार्क का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद रहे। लोकार्पण के बाद अमित शाह ने पार्क में पीपल का पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया। करीब 16 एकड़ में फैले इस पार्क को पर्यावरण संरक्षण और विकसित भारत की परिकल्पना को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यहां 2,500 से अधिक पीपल के पौधे लगाए गए हैं। इसके अलावा स्थानीय प्रजातियों के 500 से ज्यादा पौधे भी पार्क का हिस्सा हैं। नवा रायपुर को 'पीपल सिटी' के रूप में विकसित करने की योजना के तहत इस पार्क को अहम पहल माना जा रहा है।

आपस में टकराये दो हेलीकॉप्टर

इस हादसे में एक भारतीय पर्यटक की दर्दनाक मौत...

नई दिल्ली। नेपाल के माउंट एवरेस्ट क्षेत्र में आज बड़ा हेलिकॉप्टर हादसा हुआ। सोलुखुम्बु जिले के फेरेचे हेलीपैड पर लैंडिंग के दौरान दो हेलिकॉप्टर आपस में टकरा गए। इसमें एक भारतीय की मौत की खबर है। सोलुखुम्बु जिला पुलिस के प्रभारी नवीन राजा बुधाथोकी ने बताया कि हादसे में एक विदेशी नागरिक की मौके पर मौत हुई है। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। दोनों हेलिकॉप्टर में हादसे के समय कितने यात्री सवार थे, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। सूत्रों के मुताबिक फिशटेल एयर



और एयर डायनेस्टी के हेलिकॉप्टर टकराए हैं। जानकारी के मुताबिक, हादसा सोलुखुम्बु जिले की खुम्बू पासांग ल्हामू ग्रामीण नगरपालिका-4 स्थित फेरीचे हेलीपैड पर हुआ। टक्कर में फिशटेल एयर और एयर डायनेस्टी के हेलिकॉप्टर शामिल थे।



उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में, हिमालय के आस-पास के पहाड़ों पर बर्फ की चादर बिछी हुई है और ताज़ा बर्फबारी के बीच श्रद्धालु केदारनाथ मंदिर पहुंचे।

सहकारिता क्षेत्र को मिलेगी नई मजबूती

छत्तीसगढ़ अपेक्स बैंक के शिवनारायण बने उपाध्यक्ष



रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजनीति और सहकारिता के क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आई है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पांडेय को छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक), रायपुर के बोर्ड की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए गठित समिति में उपाध्यक्ष नामांकित किया गया है। सहकारिता विभाग के पंजीयक द्वारा 2 नवंबर 2026 को जारी आदेश के मुताबिक केदारनाथ गुप्ता समिति के अध्यक्ष और शिवनारायण पांडेय उपाध्यक्ष होंगे। शिवनारायण पांडेय 1980 के दशक से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी से जुड़े रहे हैं। बस्तर में जब भाजपा की राजनीतिक जमीन तैयार हो रही थी, उस दौर में उन्होंने बलिराम कश्यप सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई।

कल रायपुर में स्पेशल कोर्ट में होगी सौरभ की पेशी

महादेव सट्टा किंग सौरभ चंद्राकर को लेकर रायपुर पहुंची सीबीआई की टीम

नई दिल्ली/ एजेंसी

महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को लेकर सीबीआई की टीम लेकर देर शाम रायपुर पहुंची। उसे फ्लाइट श्व6 2307 से दिल्ली से रायपुर लाया गया। वहीं सौरभ को लेकर एयरपोर्ट से सीधे सीबीआई दफ्तर पहुंची। मिल रही जानकारी के अनुसार कल यानी 4 नवंबर को उसे स्पेशल कोर्ट में पेश किया जाएगा। बता दें कि दिल्ली में सुनवाई के बाद कोर्ट ने 2 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निखिल चोपड़ा ने यह आदेश दिया। कोर्ट



ने सीबीआई को निर्देश दिया है कि आरोपी को 4 नवंबर 2026 या उससे पहले रायपुर की स्पेशल सीबीआई कोर्ट में पेश किया जाए। इसके बाद आज सीबीआई की टीम सौरभ को लेकर रायपुर पहुंच रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार देर शाम 4 बजे के आसपास पहुंचने की उम्मीद। बता दें कि महादेव सट्टा ऐप से जुड़े मामलों की जांच सीबीआई कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस मामले से जुड़ी 13 एफआईआर जांच के लिए सीबीआई को सौंपी थीं। इनमें से 2 मामलों में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। इसके अलावा ईडी भी मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से जांच कर रही है और सौरभ के खिलाफ अभियोजन शिकायत दाखिल कर चुकी है। सीबीआई ने जवाब में कहा कि बचाव पक्ष जिस आदेश का हवाला दे रहा है, वह पुराना आदेश है। एजेंसी के मुताबिक, सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी नए आदेश के तहत हुई है, जिसमें किसी विशेष जांच एजेंसी का उल्लेख नहीं है।

देवउठनी एकादशी पर स्थानीय अवकाश घोषित, सरकारी कार्यालयों में रहेगी छुट्टी

रायपुर। राज्य सरकार ने रायपुर और नवा रायपुर अटल नगर के शासकीय कार्यालयों के लिए स्थानीय अवकाश की तारीख बदल दी है। अब देवउठनी एकादशी के अवसर पर 20 नवंबर शुक्रवार को स्थानीय छुट्टी रहेगी। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किया है। इससे पहले सरकार ने 9 नवंबर सोमवार को गोवर्धन पूजा के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया था। बाद में गोवर्धन पूजा पर सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया गया। इसके बाद सरकार ने 9 नवंबर की स्थानीय छुट्टी को बदलकर 20 नवंबर को किया है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-हर किसी को विरोध का अधिकार

कोई संगठन अनिश्चितकाल तक प्रदर्शन स्थल पर कब्जा नहीं कर सकता

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली में पिछले महीने हुए प्रदर्शनों से जुड़ी याचिकाओं पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने साफ कहा कि कोई भी व्यक्ति विरोध प्रदर्शन करने के लिए किसी जगह पर अनिश्चितकाल तक कब्जा नहीं कर सकता। कोर्ट ने कहा कि प्रदर्शनकारी हर समय कब्जा नहीं कर सकते, क्योंकि किसान, पत्रकार और दूसरे संगठनों को भी विरोध करने का अधिकार है। साथ ही अदालत ने कहा कि, ऐसे आयोजनों के लिए निर्धारित स्थलों की एक निश्चित समयसीमा होनी चाहिए। सुनवाई के दौरान जंतर-



मंतर को विरोध प्रदर्शन स्थल के रूप में इस्तेमाल करने को लेकर बहस हुई। वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने तर्क दिया कि जंतर-मंतर एक अधिसूचित विरोध स्थल है और वहां प्रदर्शनों के खिलाफ उठाई जा रही आपत्तियों पर सवाल उठाया। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने कहा, विरोध करने का अधिकार सभी को है। इसके लिए एक निर्धारित समय अवधि निर्धारित की जानी चाहिए। कोई भी समूह किसी विशेष स्थान पर अनिश्चितकाल तक कब्जा नहीं कर सकता। सरकार के शीर्ष वकील तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि विरोध प्रदर्शन का आह्वान करने वाले किसी भी व्यक्ति को अपने कार्यों के परिणामस्वरूप होने वाले किसी भी परिणाम की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, 20 जुलाई के विरोध प्रदर्शन की अनुमति केवल एक दिन के लिए दी गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने उस स्थान पर कब्जा कर लिया और यहां तक कि संसद तक मार्च भी किया।

एनआईटी रायपुर में सात अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का केंद्रीय मंत्री रेड्डी ने किया उद्घाटन

आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से बढ़ रहा भारत

- छत्तीसगढ़ की युवा प्रतिभाओं को मिलेगा विश्वस्तरीय अनुसंधान और नवाचार का मंच
- उच्च शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के बीच मजबूत होगी साझेदारी, स्टार्टअप और उद्यमिता को मिलेगा प्रोत्साहन

रायपुर/ संवाददाता

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने आज राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में सात अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, महत्वपूर्ण खनिज, अंतरिक्ष अनुसंधान, एयरोस्पेस तकनीक, ग्रामीण एवं जनजातीय स्वास्थ्य, कंप्यूटेशनल मैकेनिक्स तथा नैनोसाइंस और सतत ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्थापित ये केंद्र छत्तीसगढ़ को वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और उद्यमिता के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आधुनिक तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर रहा है। देश में अनुसंधान, तकनीकी विकास और नवाचार को प्रोत्साहित



करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की निर्णायक भूमिका होगी तथा देश की युवा प्रतिभाएं इस परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति बनेंगी। केंद्रीय मंत्री श्री रेड्डी ने कहा कि आज दुनिया तेजी से तकनीकी परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल भविष्य की तकनीक नहीं, बल्कि वर्तमान में शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, कृषि, प्रशासन और अर्थव्यवस्था में व्यापक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम बन चुकी है। ऐसे समय में युवाओं को नई तकनीकों से जोड़ना, उन्हें विश्वस्तरीय अनुसंधान सुविधाएं उपलब्ध कराना और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में अनुसंधान और नवाचार की नई संस्कृति विकसित हो रही है। भारत अब केवल आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने वाला देश नहीं, बल्कि नई तकनीकों और अनुसंधान आधारित समाधानों के विकास में अग्रणी भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। एनआईटी रायपुर में सात सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना इसी व्यापक राष्ट्रीय संकल्प का महत्वपूर्ण हिस्सा है। श्री रेड्डी ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों, समृद्ध खनिज संपदा और प्रतिभाशाली युवाओं का प्रदेश है। यहां वैज्ञानिक अनुसंधान और अत्याधुनिक तकनीकों के विस्तार की अपार संभावनाएं हैं।

छत्तीसगढ़ में अनुसंधान और नवाचार के नए युग की शुरुआत

एनआईटी रायपुर में इन सात सेंटर ऑफएक्सीलेंस की स्थापना से प्रदेश में तकनीकी शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और उद्योग आधारित नवाचार को नया विस्तार मिलेगा। इन केंद्रों के माध्यम से अत्याधुनिक तकनीकों पर शोध, कौशल विकास, उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान तथा स्टार्टअप और उद्यमिता की संभावनाओं को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही प्रदेश के युवाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की अनुसंधान गतिविधियों से जुड़ने के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। इस अवसर पर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ. नल्लथंबी कलाइसेल्वी, चेयरपर्सन डॉ. सुरेश हावरे, एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन. वी. रमन्ना राव सहित विभिन्न संस्थानों के अधिकारी-कर्मचारी, स्टार्टअप संस्थाओं के प्रतिनिधि, शोधार्थी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार



बेमेतरा पुलिस ने अंतर-जिला डीजल चोर गिरोह का किया भंडाफोड़, 9 आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। नांदघाट क्षेत्र में दो कंटेनर ट्रकों से 550 लीटर डीजल चोरी के मामले में बेमेतरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन में पुलिस ने बेमेतरा, बिलासपुर, मुंगेली और जांजगीर-चांपा जिलों में वाहनों से डीजल चोरी करने वाले अंतर-जिला गिरोह के 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से 504 लीटर डीजल, 1.54 लाख रुपये नगद, डीजल चोरी में प्रयुक्त पाइप, एक मोबाइल और दो स्कॉर्पियो वाहन सहित कुल करीब 36,06,419 रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। 26 अक्टूबर को प्रार्थी अनीश कुमार बघेल पिता रामसिंह बघेल (35 वर्ष), निवासी नांदनी, बण्डोल, जिला सिवनी (मध्यप्रदेश) ने थाना नांदघाट में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वे कंटेनर ट्रक में नागपुर से हल्दीराम नमकीन का सामान लेकर झारखंड जा रहे थे। उनके साथ MH 49 BZ 7621 के चालक शंकर सिडाम भी थे। 25 अक्टूबर की रात दोनों ट्रकों को रायपुर-बिलासपुर मार्ग NH-130 स्थित ग्राम चिचोली के जियो पेट्रोल पंप के पार्किंग में खड़ा कर दोनों चालक सो गए। सुबह करीब 06:00 बजे उठने पर दोनों ट्रकों की डीजल टंकी का ढक्कन खुला मिला। एक ट्रक से 350 लीटर और दूसरे से 200 लीटर, कुल 550 लीटर डीजल, जिसकी कीमत 54,450 रुपये थी, चोरी हो चुका था। मामले में थाना नांदघाट में धारा 303(2) BNS के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।



मोबाइल विवाद में 17 वर्षीय छात्रा की संदेहास्पद मौत, जांच में जुटी पुलिस ...

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से एक दुखद घटना सामने आई है। दर्री थाना क्षेत्र की अयोध्या पुरी बस्ती में रहने वाली कक्षा 9वीं की 17 वर्षीय छात्रा सानिया बानो की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना से पहले घर में मोबाइल फोन को लेकर विवाद हुआ था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। मामला दर्री थाना क्षेत्र का है। मृतका की पहचान अयोध्या पुरी बस्ती निवासी सानिया बानो के रूप में हुई है। परिजनों को घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, सानिया और उसके भाई के बीच मोबाइल फोन को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद उसकी मां ने मोबाइल फोन अपने पास रख लिया था। बताया जा रहा है कि इस बात से छात्रा नाराज थी। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना की सूचना मिलने पर दर्री पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस परिजनों के बयान और अन्य परिस्थितियों की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों से जुड़ी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

खाद्य एवं औषधि की टीम ने चलाई जांच अभियान,अव्यवस्था पर नोटिफिकेशन जारी

बलौदाबाजार। आगामी दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा दल द्वारा जिले के हॉटल, मिष्ठान्न



भंडारों का सघन जांच किया जा रहा है। इसी कड़ी मे खाद्य सुरक्षा दल द्वारा नई काशीराम सुपर मार्केट के निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों को गैर-खाद्य वस्तुओं के साथ सम्मिलित रूप से रखे जाने तथा व्यवस्थित ढंग से नहीं रखे जाने पर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया गया। जांच के दौरान बड़ा बाजार बलौदाबाजार, शुभम के मार्ट बेमेतरा रोड सिमगा, शिवाय किराना स्टोर्स फ्लारी, कृष्णा मिष्ठान्न भंडार हथबंद, शुक्ला होटल हथबंद, गोस्वामी होटल लिमतरा, योगेश किराना स्टोर सुहेला तथा महादेव एजेंसी लाहौद से पेड़ा, बेसन लड्डू, रसगुल्ला, शक्कर, तेल, सेवई, गुड़, मैदा एवं बेसन के नमूने संग्रहित कर जांच हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया।रिपोर्ट में मिलावट या अमानकता पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत कड़ी वैधानिक व दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले के सभी खाद्य कारोबारियों को सख्त हिदायत दी है कि वे त्यौहारों के दौरान केवल उच्च गुणवत्ता और स्वच्छता मानकों के अनुरूप ही खाद्य पदार्थों का निर्माण व विक्रय करें। बिना खाद्य पंजीयन या लाइसेंस के संचालित होने वाले अस्थायी स्टॉलों और शहरी क्षेत्रों से ग्रामीण हाट-बाजारों की ओर होने वाली संदिग्ध मिठाइयों की सप्लाई चैन पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। विभाग ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे जागरूक रहें और पैकेटबंद मिठाइयों या सामग्रियों को खरीदते समय लेबलिंग की जाँच एवं बिल अवश्य लें।

राज्योत्सव में बिखरेंगे कला, संस्कृति और संगीत के रंग, राज्यपाल रमेन डेका होंगे मुख्य अतिथि

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के दूसरे दिन 2 नवंबर को नवा रायपुर अटल नगर स्थित राज्योत्सव मैदान में कला, संस्कृति, संगीत और लोकपरंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। तीन दिवसीय राज्योत्सव के अंतर्गत सोमवार को आयोजित विशेष सांस्कृतिक समारोह में छत्तीसगढ़ की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत के साथ भारतीय कला और संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दर्शकों को आकर्षित करेंगी। राज्योत्सव के मुख्य मंच पर जहां भव्य नाट्य मंचन और प्रसिद्ध कलाकारों की संगीतमय प्रस्तुतियां होंगी, वहीं शिल्पग्राम में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए कलाकार अपनी लोककलाओं और सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। राज्योत्सव के दूसरे दिन आयोजित विशेष समारोह में राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल करेंगे। इस अवसर पर विधायक राजेश मूणत, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, सुनील सोनी, अनुज शर्मा और इंद्र कुमार साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह में जनप्रतिनिधियों, कला एवं संस्कृति से जुड़े गणमान्य नागरिकों, कलाकारों तथा बड़ी संख्या में प्रदेशवासियों की सहभागिता अपेक्षित है। राज्योत्सव के दूसरे दिन मुख्य मंच पर शाम 6 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। शाम 6 से 7 बजे तक विशेष नाट्य प्रस्तुति 'मैं अयोध्या हूं' का मंचन किया जाएगा। इस नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से अयोध्या की ऐतिहासिक, धार्मिक और आध्यात्मिक विरासत को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

नये धान खरीदी केंद्र के लिए भटगांव तहसीलदार की टीम ने देवसागर से हटवाया बेजा कब्जा

देवसागर क्षेत्र के 9 गांवों के किसानों को मिलेगी सुविधा

भटगांव। खरीफ विपणन वर्ष में किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए राज्य शासन द्वारा नये धान खरीदी केंद्र खोले जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर भटगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत देवसागर में नये धान खरीदी केंद्र की शुरुआत हो रही है। इस केंद्र के शुरू होने से क्षेत्र के 9 गांवों के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। लेकिन खरीदी केंद्र के लिए चयनित शासकीय भूमि पर ग्रामीणों द्वारा बेजा कब्जा कर लिया गया था। जिसे हटाने के लिए भटगांव तहसीलदार की टीम ने मौके पर पहुंचकर लगभग 5 एकड़ भूमि को बेजा कब्जा मुक्त कराया और धान खरीदी केंद्र के लिए जगह को सुरक्षित किया।



किसानों को हो रही थी परेशानी

देवसागर क्षेत्र के किसानों को अब तक धान बेचने के लिए दूर के खरीदी केंद्रों में जाना पड़ता था। इससे उन्हें परिवहन में अतिरिक्त खर्च और समय की बर्बादी होती थी। छोटे किसानों के लिए यह और भी बड़ी समस्या थी। कई बार ट्रैक्टर-ट्रॉली न मिलने से धान समय पर नहीं बिक पाता था। राज्य शासन के निर्देशानुसार जब देवसागर में नये धान खरीदी केंद्र की स्वीकृति मिली तो क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई। शासन ने ग्राम पंचायत देवसागर में शासकीय भूमि को खरीदी केंद्र के लिए चयनित किया।

ये रहे उपस्थित

बेजा कब्जा हटाने की इस कार्रवाई के दौरान ग्राम सरपंच देवसागर प्रतिनिधि उमाशंकर साहू, नई शाखा प्रबंधक पूरन साहू, पुलिस थाना भटगांव के सिपाही, ग्राम कोटवार, आर.आई. भटगांव तथा पटवारी की पूरी टीम के साथ-साथ बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। पुलिस की मौजूदगी से शांति व्यवस्था बनी रही।

9 गांवों के किसानों को होगा लाभ

इस नये धान खरीदी केंद्र के शुरू होने से देवसागर सहित आसपास के लगभग 9 गांवों के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। अब उन्हें अपना धान बेचने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। समय और पैसे दोनों की बचत होगी। साथ ही धान खरीदी केंद्र नजदीक होने से वे अपनी फसल की देखरेख भी आसानी से कर पायेंगे। शासन द्वारा इस वर्ष धान खरीदी की तैयारियां जोरों पर हैं।

बेजा कब्जा हटने के बाद अब यहां चबूतरा निर्माण, कांटा-बांट, बारदाना व्यवस्था और अन्य तैयारियां शुरू की जायेंगी। क्षेत्र के किसानों ने शासन और प्रशासन के इस कदम का स्वागत किया है और जल्द से जल्द खरीदी केंद्र शुरू करने की मांग की है।

शासकीय भूमि पर या बेजा कब्जा

खरीदी केंद्र के लिए चयनित स्थान जो शासकीय भूमि थी, उस पर ग्रामवासियों ने अपनी आवश्यकता अनुसार कब्जा कर रखा था। किसी ने वहां मवेशी बांध रखे थे, तो किसी ने अस्थायी झोपड़ी बना रखी थी, तो किसी ने अपना सामान रख रखा था। यह कब्जा लंबे समय से चला आ रहा था। जब धान खरीदी केंद्र के लिए जगह की नाप-जोख की गई तो यह बात सामने आई कि पूरी जमीन पर बेजा कब्जा है। इसके बाद तहसील कार्यालय द्वारा ग्रामीणों को नोटिस देकर कब्जा हटाने को कहा गया।

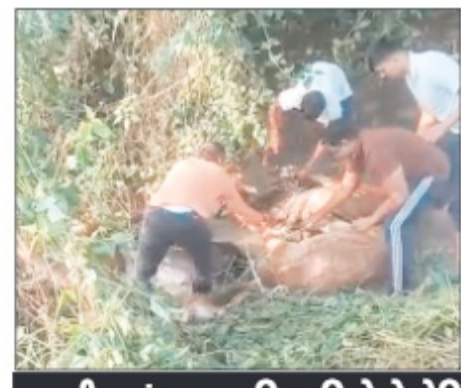
तहसीलदार की टीम ने हटवाया कब्जा

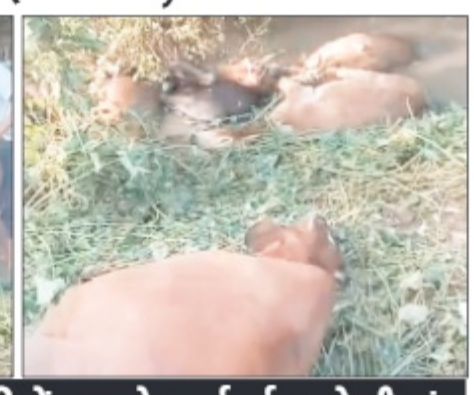
बेजा कब्जा हटाने के लिए भटगांव तहसीलदार परमेश्वरी तिलकवार के नेतृत्व में राजस्व टीम मौके पर पहुंची। टीम ने बिना किसी जोर-जबरदस्ती के ग्रामीणों को समझाइश देकर कब्जा हटवाया। इस दौरान लगभग 5 एकड़ भूमि को बेजा कब्जा से मुक्त कराया गया। ताकि 9 गांवों से आने वाले किसानों को खरीदी केंद्र में किसी प्रकार की असुविधा न हो। धान खरीदी के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के आने-जाने, धान के रख-रखाव और तौल के लिए पर्याप्त जगह की आवश्यकता होती है, इसलिए इतनी बड़ी जगह को खाली कराना जरूरी था। तहसीलदार नेत्रप्रभा सिदार ने बताया कि बेजा कब्जा हटाने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन का सहयोग किया और स्वयं ही अपना सामान हटा लिया। यह एक अच्छी पहल है कि किसान हित में ग्रामीणों ने खुद ही कब्जा खाली कर दिया।

गोवंशों के साथ क्रुरता, 8 को बांधकर नहर में फेंका, गौ सेवकों ने 7 गौवंश की बचाई जान , 1 की मौत

सारंगढ़ बिलाईगढ। जिले के रायगढ़ रोड स्थित नहर के पास गोवंशों के साथ क्रूरता का एक बेहद शर्मनाक और हृदयविदारक मामला सामने आया है। आज सुबह लगभग 7 बजे वार्ड क्रमांक 3 के एक निवासी द्वारा गौसेवा आयोग जिला सारंगढ़ की प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा वेलफेयर फाउंडेशन की पदाधिकारी हेमन्ती भारती को सूचना दी गई कि 8 गोवंशों को रस्सियों से बांधकर नहर में फेंक दिया गया है। सूचना मिलते ही हेमन्ती भारती ने तत्काल संस्था के जिला अध्यक्ष नत्थूलाल अग्रवाल एवं गौ-रक्षक भाइयों को घटना की जानकारी दी।

गौ-रक्षकों ने तत्परता दिखाते हुए बचाव अभियान शुरू किया। सभी के अथक प्रयासों से 7 गोवंशों को सुरक्षित नहर से बाहर निकाल लिया गया, जबकि एक गोवंश की जान नहीं बचाई जा सकी। इस हृदयविदारक घटना से संस्था की संस्थापिका एवं प्रदेश अध्यक्ष सु आरूती सिंह को भी अवगत कराया गया। उन्होंने घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यह मानवता को शर्मसार करने वाली अमानवीय घटना है। छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा वेलफेयर फाउंडेशन ने जिला कलेक्टर महोदया, पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि इस घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषियों की शीघ्र पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए तथा पशु क्रुरता निवारण अधिनियम सहित लागू कानूनी प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई की जाए।





एस पी. एवं अन्य अधिकारियो से दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग

जिले का पहला बालिका शौचालय ग्राम पंचायत बगडबरी में बनकर तैयार, बेटियों को मिली स्वच्छता और सम्मान की सौगात



जांजगीर-चांपा। जिले के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधायुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी कड़ी में जनपद पंचायत बलौदा की ग्राम पंचायत बगडबरी स्थित प्राथमिक शाला में जिले का पहला बालिका शौचालय निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है।

विकसित भारत रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (विकसित भारत जी राम जी) योजना के तहत निर्मित इस शौचालय से विद्यालय की बालिकाओं को बड़ी सुविधा मिली है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रारंभ किए गए 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अभियान की भावना के अनुरूप विद्यालयों में बालिकाओं की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार पोयाम के मार्गदर्शन में जिले के शासकीय विद्यालयों में बालिका शौचालय निर्माण के कार्यों को स्वीकृति प्रदान की जा रही है।

4800 किमी उड़कर गिधवा पहुंचे विदेशी परिंदे भरमार बंदूक की आवाज ने बढ़ाई चिंता

बेमेतरा। जिले के मोहभट्टा और गिधवा-परसदा वेटलैंड में इस बार साइबेरिया के दो दुर्लभ प्रवासी पक्षी देखे गए हैं। इनके आगमन से बेमेतरा का नाम राष्ट्रीय पक्षी मानचित्र पर उभरा है। अब चिंता इस बात की है कि विदेशी मेहमानों को भरमार बंदूक की शोर ने विचलित कर दिया है, गिधवा परसदा पक्षी विहार के आसपास के गांवों से यह खबर आ रही है कि गांवो मे बंदर भगाने शिकारी रखे गए हैं जो बंदरो को डराने भरमार बंदूक से फायर करते हैं इसकी आवाज से बंदर भाग खडे होते हैं, इससे पक्षी विहार इलाके में असर दिख रहा है तेज आवाज़ आते ही पक्षियों में अजीब हरकत देखी जा रही है, यदि इस पर रोक नही लगा तो पक्षियों को ठिकाना बदलना पड़ सकता है, नवागढ़ विधानसभा में कोरोना के बाद बंदरो की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है जिससे लगभग हरेक गांव में लोग परेशान हैं, पैसिफिक गोल्डन प्लोवर (सुनहरा बटान) - 4800 किमी का



सफर पूरी कर गिधवा आते हैं अनुकूल वातावरण नही मिलेगा तो फिर ए पलायन कर सकते हैं, स्थानीय लोगों की मांग हैं कि पक्षी विहार इलाके को साइलेंट जोन घोषित किया जाए।

यह पक्षी साइबेरिया और अलास्का के टुंड्रा प्रदेश से आता है। वहां अक्टूबर में तापमान माइनस 30 डिग्री तक चला जाता है और पूरा इलाका बर्फ से ढक जाता है। यह लगभग 4800 किलोमीटर बिना रुके उड़ान भरकर बेमेतरा पहुंचता है। कई बार यह अलास्का से हवाई द्वीप तक की उड़ान एक ही बार में पूरी करता है, जो दुनिया की सबसे लंबी पक्षी उड़ानों में गिनी जाती है।

पटवारी को कलेक्टर ने किया निलंबित

कोरबा, एजेंसी। शासकीय दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता और लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर कुणाल दुदावत ने पटवारी मिथलेश वर्मा, प.ह.नं. 40 भैरोताल, तहसील दर्री को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील अजगरबहार निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। कार्यालयीन पत्र क्रमांक 1673/भू.अ./पट.स्था./2026, दिनांक 1 अक्टूबर 2026 के माध्यम से वर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में भू-अभिलेख नियमावली के अनुसार दैनिक डायरी संधारित नहीं करने, कृषकों से संबंधित एग्रीस्टैक पंजीयन एवं बकेट क्लेम डिजिटल कॉप मोबाइल ऐप में प्रविष्टि कार्य प्रारंभ नहीं करने, नक्शा बंटाकन और अभिलेख दुरुस्ती के कार्य लंबित रखने तथा खरीफवर्ष 2025-26 की मैनुअल गिरदावरी से संबंधित कार्य पीवी के माध्यम से नहीं किए जाने का उल्लेख था।

लिमतरा में चोरों के हौसले बुलंद रात में तोड़ा पंप हाउस का ताला, सुबह नया ताला लगाने पहुंचे तो केबल गायब, सरपंच परेशान

सक्ती, जैजैपुर। ग्राम पंचायत कोटेतरा के लिमतरा मोहल्ले में स्थित सरकारी पंप हाउस में चोरी का एक अनोखा और शातिर मामला सामने आया है। अज्ञात चोरों ने रात के अंधेरे में पंप हाउस का ताला तोड़ दिया। सुबह पानी सप्लाई के लिए जब मोटर पंप चालू किया गया, तब तक सब ठीक था। लेकिन इसके बाद जब पंप ऑपरेटर वहां नया ताला लगाने पहुंचा, तब चोरी का खुलासा हुआ। चोरों ने मौका पाकर मुख्य केबल काटकर पार कर दिया था। मिली जानकारी के अनुसार, बीती रात अज्ञात तत्वों ने पंप हाउस के दरवाजे पर लगा ताला तोड़ दिया था। सुबह जब कर्मचारी पानी की सप्लाई शुरू करने आया, तो उसने रोज की तरह मोटर पंप चालू करने गए तो पम्प हाऊस का ताला टूटा हुआ मिला तो सरपँच को अवगत कराया गया तो सरपंच द्वारा नया ताला लगाने बोला गया और ऑपरेटर को नया ताला खरीदकर



दिया गया तो फिर पंप ऑपरेटर ने नया ताला लगाने पहुंचे, तब अंदर का नजारा देखकर दंग रह गए। अज्ञात चोरों ने मोटर का कीमती केबल काटकर चोरी कर लिया था।

पानी सप्लाई बंद, सरपंच और ग्रामीण परेशान

केबल चोरी होने की वजह से पंप हाउस पूरी तरह बंद हो गया है और मोहल्ले में पेयजल की आपूर्ति ठप हो गई है। इस घटना से ग्राम पंचायत के सरपंच बेहद परेशान हैं। सरपंच ने कहा कि जनहित के काम में लगी सरकारी संपत्ति को इस तरह नुकसान पहुंचाना बेहद निंदनीय है। घटना की लिखित शिकायत पुलिस थाने में दर्ज कराई जा गयी है।

पुलिस से गश्त बढ़ाने की मांग

दिन-दहाड़े और रात के समय इस तरह की वारदात से ग्रामीणों में असुरक्षा का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से अज्ञात चोरों को जल्द गिरफ्तार करने और क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

2 नवंबर को खेलभांठा मैदान में शाम 4 बजे से होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति से सजेगा राज्योत्सव का मंच

- **सांसद राधेश्याम राठिया होंगे जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह के मुख्य अतिथि**

सारंगढ़ बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के अवसर पर सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले का जिला स्तरीय समारोह 2 नवंबर को सारंगढ़ के खेलभांठा मैदान में आयोजित होगा। शाम 4 बजे से शुरू होने वाले समारोह में रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद राधेश्याम राठिया मुख्य अतिथि होंगे। छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा और वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह में सांसद मती कमलेश जांगड़े, सारंगढ़ विधायक उत्तरी गणपत जांगड़े, बिलाईगढ़ विधायक मती कविता प्राण लहरे, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय और नगर पालिका सारंगढ़ की अध्यक्ष मती सोनी अजय बंजारे सहित जिला एवं जनपद पंचायतों के अध्यक्ष आमंत्रित हैं। कलेक्टर ने जिलेवासियों से समारोह में शामिल होकर राज्योत्सव की सांस्कृतिक संध्या का आनंद लेने की अपील की है। कलेक्टर ने निरीक्षण करते हुए आयोजन स्थल पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, बेहतर साउंड सिस्टम और दर्शकों की सुविधा के अनुरूप सुगम यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने मंच, बैठक व्यवस्था और अन्य तैयारियां समय रहते पूरी करने तथा कार्यक्रम में शामिल होने वाले नागरिकों के आवागमन को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत शाम 4 से 4:30 बजे तक छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों की प्रस्तुति, 4:30 से 4:35 बजे तक कन्या छात्रावास सारंगढ़ का सुवा नृत्य, 4:35 से 4:45 बजे तक कु. अनुपा केशरवानी का कथक, 4:45 से 4:55 बजे तक शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सारंगढ़ का संभलपुरी नृत्य, 4:55 से 5:05 बजे तक मिशिका गुप्ता का ओडिशी और 5:05 से 5:15 बजे तक अपेका केशरवानी का कथक होगा।



सारंगढ़ जिले के खेल भाठा मैदान में आयोजित

राज्योत्सव का मंच छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और लोक परंपराओं पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजेगा। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कलेक्टर मती पद्मिनी भोई साहू ने राज्योत्सव स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ऋषिकेश तिवारी, अपर कलेक्टर एवं प्रभारी एसडीएम दशरथ राजपूत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, डिप्टी कलेक्टर शंकर लाल सिन्हा, वर्षा बंसल, सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर में गांजा बेचने की फिराक में घूम रहीं नागपुर की दो महिलाएं गिरफ्तार,एक लाख का गांजा जब्त

रायपुर। गांजा बिक्री की फिराक में घूम रही महाराष्ट्र के नागपुर की दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 1.972 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी कीमत करीब 98 हजार 600 रुपये आंकी गई है। दोनों महिलाएं पूर्व में चोरी के मामलों में भी जेल जा चुकी हैं। पुलिस के अनुसार 1 नवंबर 2026 को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट को सूचना मिली थी कि कोतवाली थाना क्षेत्र के अहमद जी कॉलोनी स्थित बाबर बंगला के पास इमली के पेड़ के नीचे दो महिलाएं गांजा लेकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रही हैं। सूचना पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर दोनों महिलाएं भागने लगीं, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में उनकी पहचान रंजना उर्फ राजना पात्रे (60) और सीमा उर्फ नीलम पात्रे (45), निवासी नागपुर, महाराष्ट्र के रूप में हुई। उनके पास रखे थैले की तलाशी लेने पर 1.972 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 415/26 के तहत नारकोटिक एक्ट की धारा 20(बी) में मामला दर्ज किया है। आरोपियों से गांजे की उपलब्धता, परिवहन और बिक्री के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस गांजा उपलब्ध कराने वाले स्रोतों और संभावित खरीदारों की भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस के मुताबिक दोनों महिलाएं पूर्व में चोरी के मामलों में जेल में निरुद्ध रह चुकी हैं। उनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य संभावित गतिविधियों की भी जांच की जा रही है।

भाई पर बेसबॉल के डंडे से जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। अपने ही भाई पर बेसबॉल के डंडे से जानलेवा हमला करने और चाकू लहराकर धमकाने के आरोप में चिखली पुलिस ने 24 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बेसबॉल का डंडा और चाकू जब्त किया है। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में मारपीट, आर्म्स एक्ट और आबकारी एक्ट के कई मामले दर्ज होने की जानकारी भी पुलिस ने दी है। पुलिस के अनुसार, 30 अक्टूबर 2026 को प्रार्थी ने चौकी चिखली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि शाम करीब 5 बजे वह गांव की किराना दुकान के पास खड़ा था। इसी दौरान उसका भाई गुलशन ताम्रकार वहां पहुंचा और गांव के एक युवक के साथ हुए विवाद को लेकर गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि गुलशन ने जान से मारने की नीयत से बेसबॉल के डंडे से उसके सिर, माथे और शरीर के अन्य हिस्सों पर वार कर घायल कर दिया। इसके बाद चाकू लहराकर डराने-धमकाने लगा। शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 296, 115(2), 351(2), 109(1) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम आरोपी की तलाश में ग्राम बोरी पहुंची। मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी गांव के बाहरी इलाके में छिपा हुआ है। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी गुलशन कुमार ताम्रकार (24), पिता शिवा ताम्रकार, निवासी वार्ड क्रमांक 7, ग्राम बोरी ने अपराध स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक बेसबॉल का डंडा और एक चाकू जब्त किया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कैलाश चंद्र मरई सहित उप निरीक्षक सत्तुलाल कंवर और चौकी चिखली के पुलिसकर्मियों की भूमिका रही।

नाबालिग के अपहरण की रिपोर्ट के दो घंटे के भीतर पुलिस ने किया दस्तयाब

रायपुर। नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और अपने घर में रखकर छेड़छाड़ करने के आरोप में लालबाग पुलिस ने 22 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अपहरण की रिपोर्ट दर्ज होने के करीब दो घंटे के भीतर नाबालिग को दस्तयाब कर आरोपी को हिरासत में लिया। न्यायालय में पेश किए जाने के बाद आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 को नाबालिग के पिता ने थाना लालबाग में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी बेटी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर ले गया है। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 471/2026 के तहत बीएनएस की धारा 137(2) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर और नगर पुलिस अधीक्षक सत्यप्रकाश तिवारी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए नाबालिग को बरामद कर लिया। जांच के दौरान मामले में बीएनएस की धारा 74 और पॉक्सो एक्ट की धारा 8 भी जोड़ी गई। इस मामले में पुलिस ने निखिल कसार (22), निवासी ब्लॉक नंबर 07, इस्कॉन सिटी रेवाडीह, थाना लालबाग को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार किया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश जांगड़े सहित उप निरीक्षक प्रमोद श्रीवास्तव, शारदा बंजारे और थाना लालबाग के अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका रही। नोट: उपलब्ध प्रेस विज्ञप्ति में गिरफ्तारी की तारीख 27.10.2024 अंकित है, जो घटना की तारीखों से मेल नहीं खाती। इसलिए खबर में गिरफ्तारी की तारीख का उल्लेख नहीं किया गया है।

फार्म हाउस का ताला तोड़कर लाख की चोरी करने वाले दो आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार, 98 किलो लाख बरामद

रायपुर। चारामा थाना क्षेत्र के चावड़ी स्थित एक फार्म हाउस का ताला तोड़कर लाख चोरी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई 98 किलो धुली हुई कुसमी लाख बरामद की गई है, जिसकी कीमत करीब 2 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने चोरी में इस्तेमाल लोहे का रॉड, टूटा हुआ ताला और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 2 लाख 30 हजार रुपये है। पुलिस के अनुसार, ग्राम बारगरी निवासी बुद्धदेव नायक ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 30 अक्टूबर 2026 को चावड़ी स्थित अपने फार्म हाउस पहुंचने पर कमरे का ताला टूटा हुआ मिला। कमरे में रखी करीब एक क्विंटल धुली हुई कुसमी लाख गायब थी। शिकायत पर चारामा थाना में अपराध क्रमांक 228/26 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर देवराज माहला (34) और टिकेश्वर माहला (39), दोनों निवासी चावड़ी, थाना चारामा को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

जल, जंगल और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हुए आगे बढ़ेगा छत्तीसगढ

छत्तीसगढ़ को सुशासन में आदर्श राज्य बनाना हमारा संकल्प-राज्यपाल रमेन डेका

- छत्तीसगढ़ ने विकास के 26 वर्षों की यात्रा पूरी कर जिम्मेदारियों और नई संभावनाओं के दौर में किया प्रवेश- राज्यपाल
- बस्तर में शांति और विकास का नया अध्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसरों का हो रहा विस्तार

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज विकास के एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर खड़ा है। छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने गठन के 26 वर्षों की यात्रा पूरी कर ली है और अब नई जिम्मेदारियों, संभावनाओं तथा संकल्पों के साथ आगे बढ़ रहा है। आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ को सुशासन में आदर्श, अर्थव्यवस्था में सशक्त और सामाजिक समरसता में अग्रणी राज्य बनाने के लिए सभी नागरिकों की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के युवाओं, महिलाओं, किसानों, श्रमिकों और जनजातीय समाज के सामूहिक प्रयासों से छत्तीसगढ़ विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राज्यपाल श्री डेका आज नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्योत्सव-2026 के द्वितीय दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह अवसर छत्तीसगढ़ की गौरवशाली विकास यात्रा का स्मरण करने के साथ भविष्य के लिए नए संकल्प लेने का भी है। राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण का सपना देखने वाले सभी पुरखों को नमन करते हुए पूर्व



प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी का विशेष स्मरण किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ का गठन अनेक आशाओं और चुनौतियों के बीच हुआ था। पिछले ढाई दशकों में प्रदेश ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और अधोसंरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास का मजबूत आधार तैयार किया है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि किसी भी राज्य के विकास की पहली आवश्यकता शांति और सुरक्षा है। छत्तीसगढ़ में विशेष रूप से बस्तर अंचल में शांति स्थापना और विकास के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। कभी हिंसा और कठिन परिस्थितियों से प्रभावित रहे क्षेत्रों में आज सड़क, बिजली, संचार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी का विस्तार हो रहा है, स्कूल खुल रहे हैं, स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित हो रही हैं और आजीविका मिशन के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आधुनिक सुविधाओं का लाभ अब उन क्षेत्रों तक पहुंच रहा है, जहां पहले सामान्य नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना भी बड़ी चुनौती थी। राज्यपाल ने सुरक्षा बलों के साहस, समर्पण और बलिदान को नमन करते हुए हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने वाले लोगों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि बस्तर में शांति और विकास का वातावरण मजबूत होने से स्थानीय नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। इस परिवर्तन को स्थायी बनाने के लिए सुरक्षा के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसरों का निरंतर विस्तार आवश्यक है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। यहां की वन संपदा, नदियां, जलस्रोत और खनिज संसाधन प्रदेश की बड़ी ताकत हैं।

कांग्रेस को राज्योत्सव से नहीं,एक परिवार के उत्सव से मतलब:अरुण

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी को प्रदेश के राज्योत्सव से कोई लेना-देना नहीं है, बल्कि उसे केवल एक परिवार के उत्सव से मतलब है। उन्होंने कहा कि जब छत्तीसगढ़ की जनता राज्य स्थापना दिवस मना रही है, तब कांग्रेस दिल्ली में एक परिवार को बचाने के लिए रैली कर रही है। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस के लिए गांधी परिवार ही सर्वोपरि है, देश और प्रदेश नहीं। अरुण साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने दावा किया कि जहां दुनिया के कई



देश युद्ध और अस्थिरता की स्थिति से गुजर रहे हैं, वहीं भारत तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत का दुनिया की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होना देश की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का प्रधानमंत्री का संकल्प कांग्रेस को रास नहीं आ रहा है। उप मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की ओर से लगातार संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए जाते हैं। चुनाव आयोग, ईडी, सीबीआई और न्यायपालिका जैसी संस्थाओं के फैसले उसके पक्ष में नहीं आने पर कांग्रेस उन पर आरोप लगाने लगती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के लिए खतरा कांग्रेस की हार नहीं, बल्कि उसकी सोच है। साव ने ईवीएम और चुनाव आयोग को लेकर कांग्रेस के रुख पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में कांग्रेस चुनाव जीतती है, वहां चुनाव आयोग और ईवीएम पर सवाल नहीं उठाए जाते, लेकिन हार मिलने पर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर आरोप लगाए जाते हैं। यह जनता के जनादेश को स्वीकार नहीं करने की मानसिकता दर्शाता है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एक स्वतंत्र और निष्पक्ष संवैधानिक संस्था है।

कार्यकर्ताओं को अपमानित कर रही भाजपा प्रभारी - दीपक बैज

- महिलाओं के प्रति बढ़े अपराध पर स्मृति जी, साय सरकार से जवाब ले

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा की प्रभारी श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी छत्तीसगढ़ आई है। वे कल से भाजपा कार्यालय में बैठकें ले रही। खबरे आई कि बिना बुलाए मिलने वाले को फटकार लगा रही है। एक फरमान भी जारी हुआ है कि कोई भी बिना बुलाए पार्टी कार्यालय नहीं आएगा। जिस कार्यकर्ता के दम पर सरकार में आए है आज उन्हीं कार्यकर्ताओं से परहेज क्यों। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने



कहा कि किसी भी दल के पार्टी दफ्तर में पहला हक कार्यकर्ता का होता है। विपक्ष में रहते कार्यकर्ता को देवतुल्य बताने वाले आज सत्ता में है तो कार्यकर्ता को पार्टी दफ्तर नहीं आने देना चाहते। यह भी खबर आई है कि स्मृति ईरानी के सामने वरिष्ठ नेताओं ने सरकार के खिलाफ खूब भड़ास निकाला है। सरकार के भ्रष्टाचार को ले कर खूब शिकायतें भी हुई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि आज के अखबार में खबर छपी है कि चावल की कीमत 30 रू., दाल 50 रू., महंगी शक्कर की कीमत बढ़ गयी है। स्मृति ईरानी महंगाई के खिलाफ आंदोलन करके सुर्खियों में रही है। 13 रुपए प्रति किलो शक्कर का वायदा उन्होंने ही किया था, अब अवसर है अपने वायदे निभाये, प्रदेश की जनता झोला लेकर खड़ी है। गैस, सिलेंडर के बढ़ते दामों के खिलाफ सिलेंडर उठाये हुये उनकी तस्वीर खूब वायरल हुई थी। आज गैस, खाद्य तेल, शक्कर, राशन सामाग्री, कपड़ा, साबुन, दवाई सभी के दाम बेतहाशा बढ़े गये है। जब स्मृति ईरानी छत्तीसगढ़ आ रही है तो महंगाई पर उनसे जवाब मांगने का समय है। मोदी की गारंटी में भाजपा ने महिलाओं को 500 रू. में गैस सिलेंडर देने का वादा किया था।

---

1 करोड़ 65 लाख 85 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति

लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से ओड़गी में सड़क-पुल निर्माण को मिली स्वीकृति

- खालबहारा मेन रोड से पंचायत भवन तक 1.50 किलोमीटर मार्ग का होगा निर्माण

रायपुर/ संवाददाता

सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड के ग्राम पंचायत खालबहारा में सड़क संपर्क को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से खालबहारा मेन रोड से पंचायत भवन तक 1.50 किलोमीटर लंबे मार्ग का पुल-



पुलियों सहित निर्माण स्वीकृत हुआ है। लोक निर्माण विभाग ने इस कार्य के लिए 1 करोड़ 65 लाख 85 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इस मार्ग के निर्माण से ग्रामवासियों को पंचायत भवन तक पहुंचने में सुविधा होगी। पंचायत भवन ग्रामीणों के लिए स्थानीय स्तर पर विभिन्न कामों और बैठकों का प्रमुख केंद्र होता है। सड़क बनने से वहां तक आवागमन सुगम होगा और क्षेत्र के लोगों को दैनिक जरूरतों के लिए आने-जाने में सहूलियत मिलेगी। मार्ग में पुल-पुलियों का निर्माण भी प्रस्तावित है, जिससे सड़क संपर्क को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। राज्य शासन ने यह स्वीकृति वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल कार्य के अंतर्गत प्रदान की है। स्वीकृति आदेश के अनुसार निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पहले तकनीकी स्वीकृति और निविदा सहित निर्धारित प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। साथ ही, कार्य शासकीय भूमि पर और उपलब्ध बजट की सीमा के भीतर कराया जाएगा।

मां पर कुदाली से जानलेवा हमला करने के आरोप में पुत्र गिरफ्तार, न्यायालय ने भेजा जेल

रायपुर। कुसमी थाना क्षेत्र के ग्राम डायनटोली में घरेलू विवाद के दौरान एक युवक ने अपनी मां के सिर पर कुदाली से हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गई। मामले में पुलिस ने आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, घटना 31 अक्टूबर 2026 की है। ग्राम डायनटोली निवासी 55 वर्षीय बिफ्ती उरांव अपने घर में लिपाई-पोताई कर रही थीं। इसी दौरान उनके पुत्र गोविन्द बेक (28 वर्ष) से घरेलू बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि गोविन्द ने जान से मारने की नीयत से घर में रखी छोटी कुदाली (कुदरा) से मां के सिर पर दो-तीन बार वार कर दिया।

जुआ खेलते 20 आरोपी गिरफ्तार किए गए.....

रायपुर। जिले में जुआ-सट्टा के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 20 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चार प्रकरण दर्ज कर आरोपियों के कब्जे से ताश की 52 पत्ती, 12,440 रुपये नगद और 9 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त सामग्री की कुल कीमत 52,250 रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना पांडेय के निर्देश पर जिले में असामाजिक गतिविधियों और अवैध जुआ-सट्टा के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर ताश से काट पत्ती जुआ खेल रहे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। पहली कार्रवाई चौकी बिरेझर क्षेत्र के ग्राम कोडापार में सतनाम रंगमंच के पास हुई। यहां से धर्मेन्द्र बारले, विश्वनाथ गजेन्द्र और कुलदीप यादव को पकड़ा गया। उनके पास से 52 पत्ती ताश और 520 रुपये नगद जब्त किए गए। दूसरी कार्रवाई थाना भखारा क्षेत्र के ग्राम सिलीडीही बाजार चौक में की गई। यहां टामेश ध्रुव, दीपक ध्रुव, खिलेन्द्र देवांगन और मुकेश कंवर को जुआ खेलते पकड़ा गया। पुलिस ने इनके कब्जे से 950 रुपये और ताश की गड्डी जब्त की। तीसरी कार्रवाई थाना कोतवाली धमतरी क्षेत्र के रामबाग सब्जी बाजार के पास रामपुर वार्ड में हुई। यहां राजेश कुमार जसवानी, शकीर खान, संतोष निर्मलकर, शेख वसीम, अजमत हुसैन, अनवर अली, अकबर अली, पवन सिंह, अब्दुल वसीम और मोहम्मद आरिफआजम को गिरफ्तार किया गया।

उप मुख्यमंत्री ने बिलासपुर में राज्योत्सव का किया शुभारंभ, प्रदेशवासियों को दी राज्य स्थापना दिवस की बधाई

सशक्त नारी और युवा शक्ति के संकल्प से बनाएंगे विकसित छत्तीसगढ़-अरुण साव

- विकास प्रदर्शनी का किया अवलोकन, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का देर रात तक दर्शकों ने उठाया आनंद

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज बिलासपुर के पुलिस परेड मैदान में जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि श्री साव ने प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि सशक्त नारियों और हुनरमंद युवाओं की भागीदारी से विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प साकार होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार जनकल्याण, अधोसंरचना विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए तेजी से काम कर रही है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी को नमन किया। उन्होंने कहा कि अटल जी ने छत्तीसगढ़ के लोगों की भावनाओं और कठिनाइयों को समझकर पृथक राज्य की सौगात दी। धन-धान्य, वन और खनिज संपदा से समृद्ध छत्तीसगढ़ को अलग पहचान दिलाने वाले अटल जी सदैव यहां के लोगों के हृदय में बसे रहेंगे। उनके सपनों के अनुरूप समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। श्री साव ने कहा कि राज्योत्सव की थीम 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' सरकार की प्राथमिकताओं को अभिव्यक्त करती है। महतारी वंदन योजना और बिहान के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। युवाओं की शिक्षा और कौशल विकास के लिए नए संस्थान प्रारंभ किए जा रहे हैं। फैशन डिजाइनिंग जैसे क्षेत्रों में भी अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। प्रत्येक जिले में नालंदा परिसर के निर्माण से युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध



कराने की पहल की गई है। यहां के युवा अपनी प्रतिभा से राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहरा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। खेल अलंकरण सम्मान पुन: शुरू किया गया है। पहली बार आयोजित छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में सुदूर गांवों के बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। उन्होंने मैनपाट की टीम के कक्षा ग्यारहवीं के खिलाड़ी मोहित के प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के युवा भी अपनी प्रतिभा से टीम को जीत दिला रहे हैं। बहतराई खेल प्रशिक्षण केंद्र की दो बेटियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी लगातार प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं और सरकार उन्हें आगे बढ़ने के लिए सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। श्री साव ने कहा कि सरकार मोदी की गारंटियों को पूरा करते हुए विकास कार्यों को गति दे रही है। बिलासपुर में बड़ी संख्या में सड़कों की स्वीकृति मिली है और अधोसंरचना का विस्तार हो रहा है। प्रदेश की बेहतर औद्योगिक नीति के कारण देश-दुनिया के निवेशक छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले छत्तीसगढ़ की चर्चा नक्सलवाद के कारण होती थी। अब नक्सलवाद के विरुद्ध मिल रही सफलता से विकास के नए रास्ते खुल रहे हैं। छत्तीसगढ़ और अधिक खुशहाल तथा समृद्ध बनेगा। महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने अपने संबोधन में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ को पृथक राज्य और विशिष्ट पहचान दी। राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विकास कार्यों को गति मिली है और प्रदेश विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने व्यसनमुक्ति और समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए स्वाति दीदी को सम्मानित किया। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए विकास प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं, उपलब्धियों और नवाचारों की जानकारी भी ली।

संपादकीय

टाटा की आड़ में राहुल का हमला

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी मोदी सरकार पर हमले का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। इसका उन्हें राजनीतिक लाभ कितना होगा, कहना मुश्किल है, लेकिन वो अपने आक्रमण की धार कम नहीं होने देना चाहते। इसी श्रृंखला में ताजा कड़ी देश के प्रमुख औद्योगिक घराने टाटा की आड़ में किया गया हमला है। टाटा उद्योग समूह की आपसी लड़ाई को मोदी सरकार से जोड़ते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार टाटा ग्रुप को 'आपराधिक तरीके से बर्बाद' करना चाहती है। कोई बिजनेस लीडर इसके खिलाफ नहीं बोल रहा है। लेकिन हम इसका इंसाफ करेंगे। राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सवाल उठाया कि आखिर किन 'कानूनी और व्यावसायिक मामलों' को सुलझाने के लिए टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के प्रतिनिधियों को गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर बुलाया गया था? राहुल ने तंज कसते हुए पूछा कि सरकार के 'क्रोनी नंबर 1' की एंट्री इस खेल में कब होगी, उन्हें टाटा का कौन सा हिस्सा दिया जाएगा? राहुल ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से कहा कि आपके 3-4 खास दोस्तों को छोड़कर भारत के बाकी सभी कारोबारी पहले से ही आप सभी से नफरत करते हैं, उन्हें किसी उकसावे की जरूरत नहीं है। इसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राहुल गांधी के आरोपों का करारा जवाब देते हुए कहा कि वो हर जगह भूत देखना बंद कर दें। निर्मला सीतारमण ने आगे कहा कि विपक्ष के नेता होने के नाते राहुल को हर व्यावसायिक और कानूनी मामले को आपराधिक करार देकर राजनीति करने से बचना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के इतिहास पर भी हमला बोलते हुए कहा कि दशकों तक कांग्रेस के 'लाइसेंस-कोटा राज' ने भारतीय उद्यमियों का दम घोंटा और देश को गरीबी में धकेला। दरअसल विवाद की मुख्य वजह टाटा ग्रुप में टाटा संस के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के पद पर एन. चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को लेकर है। टाटा ट्रस्ट्स के प्रमुख नोएल टाटा ने इस नियुक्ति को सीधे चुनौती दी है। उन्होंने 26 अक्टूबर को कंपनी सेक्रेटरी को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि यह प्रक्रिया नियमों की अनदेखी कर बिना चयन समिति की सिफारिश के पूरी की गई है। नोएल टाटा ने बोर्ड बैठक के मिनट्स और वोटिंग डिटेल्स मांगते हुए रेगुलेटर्स को सूचित करने को कहा है कि यह फैसला पूरी तरह विवादित है। इस कदम के बाद से ही टाटा ग्रुप के भीतर कानूनी और रणनीतिक घमासान तेज हो गया। इसके अलावा आरबीआई चाहता है कि टाटा संस शेयर बाजार में लिस्ट हो ताकि पारदर्शिता बनी रहे। हालांकि, 66% हिस्सेदारी रखने वाला टाटा ट्रस्ट्स इसके सख्त खिलाफ है क्योंकि इससे ग्रुप पर उसका कंट्रोल कम हो सकता है। इस बीच नोएल टाटा ने रिटायरमेंट पॉलिसी के तहत कुछ कंपनियों के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है।

नशे की लत सिर्फ व्यक्तिगत समस्या नहीं समाज और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी

ज्योति सिडाना

फिल्मों, मनोरंजन और सामाजिक आयोजनों में शराब या धूम्रपान को आधुनिकता, सफलता और उत्सव से जोड़कर दिखाने का असर युवाओं पर पड़ सकता है। नशीले पदार्थों पर प्रतिबंध को लेकर कानूनी प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन की जरूरत है। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान न करने, शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर नियंत्रण, नाबालिगों को नशीले पदार्थों से दूर रखना और इनके अवैध कारोबार पर कार्रवाई जैसे कदम तभी प्रभावी होंगे, जब निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित हो।



सरकार का दायित्व नागरिकों को केवल आर्थिक अवसर उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना भी है। नशीले पदार्थों से उपजी समस्या को भी इस कसौटी पर गंभीरता से देखने की जरूरत है। इनके वैध कारोबार से मिलने वाले राजस्व का तर्क अपनी जगह है, लेकिन सवाल है कि क्या यह कमाई समाज और अर्थव्यवस्था को नशे के कारण होने वाले नुकसान से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है!

जब किसी पदार्थ का सेवन व्यक्ति के स्वास्थ्य, विवेक, संबंधों और उत्पादकता को नष्ट करने लगे, तब उसे केवल व्यक्तिगत पसंद मानकर छोड़ देना सरकार और समाज, दोनों का जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने जैसा है। यही नहीं, नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार भी लगातार फैलता जा रहा है, जो खासकर युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहा है।

नशे की समस्या को समझने के लिए सबसे पहले आदत और लत के बीच का अंतर जानना जरूरी है। आदत को बदला जा सकता है, लेकिन लत व्यक्ति की इच्छाशक्ति, निर्णय क्षमता और दैनिक जीवन को इस हद तक प्रभावित कर सकती है कि उससे बाहर निकलना कठिन हो जाता है। यहां चर्चा मादक पदार्थों, शराब और तंबाकू के सेवन की हो रही है। आधुनिक तंत्रिका विज्ञान नशे की लत को मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में होने वाले बदलावों से जोड़ता है। नशीले पदार्थों के सेवन से मस्तिष्क की प्रणाली प्रभावित होती है और निर्णय लेने तथा आवेगों पर नियंत्रण रखने की क्षमता कमजोर पड़ती है। इसीलिए नशे की लत को केवल चरित्र की कमजोरी या इच्छाशक्ति का अभाव मानना उचित नहीं है। यह ऐसी समस्या है, जिसके लिए उपचार और पुनर्वास की जरूरत होती है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें, तो नशा कई बार व्यक्ति के लिए तनाव, अकेलेपन, अवसाद या पुराने मानसिक आघात से अस्थायी राहत पाने का माध्यम बन जाता है। सवाल यह नहीं कि व्यक्ति नशे की ओर क्यों आकर्षित हुआ, बल्कि यह भी है कि वह किस पीड़ा से बचने की कोशिश कर रहा है। बचपन में हिंसा, उपेक्षा, पारिवारिक कलह और असुरक्षा के अनुभव आगे चलकर नशे के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि ऐसे अनुभवों से गुजरने वाला हर व्यक्ति नशे का आदी हो जाएगा, बल्कि यह कि समय रहते भावनात्मक सहारा और उचित सहायता मिलने से जोखिम कम किया जा सकता है। समाजशास्त्रीय दृष्टि से नशे को व्यक्तिगत समस्या तक सीमित नहीं रखा जा सकता। परिवार, मित्र समूह, रोजगार, सामाजिक संबंध और आसपास का वातावरण उसके व्यवहार को प्रभावित करते हैं। दूसरी ओर, यदि परिवार और मित्रों के बीच नशे को सामान्य व्यवहार या प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है, तो खासकर किशोर और युवा इसे अपनाने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। कभी वे परिपक्व दिखने के लिए, कभी साथियों के दबाव में और कभी आत्मविश्वास या ऊर्जा बढ़ाने की गलत धारणा के कारण नशे की शुरुआत करते हैं। इस तरह व्यक्तिगत चुनाव के पीछे सामाजिक परिस्थितियों की भूमिका भी खास होती है।

अमेरिकी मनोवैज्ञानिक ब्रूस अलेक्जेंडर के चर्चित रैट पार्क प्रयोग ने इस संबंध में एक महत्त्वपूर्ण सवाल उठाया। प्रयोग में चूहों के अलगाव और समृद्ध सामाजिक वातावरण के बीच नशीले पदार्थों के सेवन के व्यवहार की तुलना की गई। इससे यह समझने में मदद मिली कि सामाजिक संपर्क और अनुकूल वातावरण नशे के व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। इसी तरह वियतनाम युद्ध के दौरान हेरोइन का सेवन करने वाले अमेरिकी सैनिकों पर किए गए एक अध्ययन में उनमें से ज्यादातर का स्वदेश लौटने के बाद नशे से दूर हो जाना दर्ज किया गया। इन निष्कर्षों से यह संकेत मिलता है कि नशे की लत को समझने में वातावरण, तनाव और सामाजिक परिस्थितियों की अनदेखी नहीं की जा सकती। हालांकि, इससे यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं होगा कि केवल माहौल बदलने से हर व्यक्ति की लत बिना उपचार के छूट सकती है। कई लोगों को चिकित्सकीय सहायता और लंबे समय तक सहयोग की जरूरत होती है।

नशे के प्रसार के पीछे आर्थिक हितों का प्रश्न भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। एक ओर सरकारें शराब और तंबाकू से राजस्व प्राप्त करती हैं, दूसरी ओर उन्हीं के दुष्परिणामों से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं, जागरूकता अभियानों और नशामुक्ति कार्यक्रमों पर खर्च करती हैं। यह विरोधाभास सार्वजनिक नीति की गंभीर चुनौती है। राजस्व को उपलब्धि मानने से पहले यह आकलन होना चाहिए कि नशे के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाला बोझ, कार्यक्षमता में कमी, दुर्घटनाएं, पारिवारिक संकट और अपराध की आशंका समाज से कितनी बड़ी कीमत वसूलते हैं। किसी पदार्थ से होने वाली आय को उसके सामाजिक नुकसान से अलग करके नहीं देखा जा सकता। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शराब और मनःप्रभावी पदार्थों के सेवन को गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती माना है। इसके बावजूद नशे का आकर्षण कम नहीं हो रहा। फिल्मों, मनोरंजन और सामाजिक आयोजनों में शराब या धूम्रपान को आधुनिकता, सफलता और उत्सव से जोड़कर दिखाने का असर युवाओं पर पड़ सकता है। नशीले पदार्थों पर प्रतिबंध को लेकर कानूनी प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन की जरूरत है। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान न करने, शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर नियंत्रण, नाबालिगों को नशीले पदार्थों से दूर रखना और इनके अवैध कारोबार पर कार्रवाई जैसे कदम तभी प्रभावी होंगे, जब निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित हो। इस संदर्भ में आइसलैंड का अनुभव उल्लेखनीय है। वहां किशोरों में नशे की प्रवृत्ति कम करने के लिए परिवारों की भागीदारी, खेलकूद, संगीत और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के अवसर बढ़ाने तथा बच्चों के खाली समय को सकारात्मक दिशा देने पर जोर दिया गया। इस दृष्टिकोण का मूल विचार था कि किशोरों को केवल नशे से दूर रहने की सलाह देना पर्याप्त नहीं, उन्हें ऐसे विकल्प भी चाहिए, जो जीवन में आनंद, अपनापन और उद्देश्य की भावना पैदा करें। भारत में भी खेल के मैदान, पुस्तकालय, सांस्कृतिक केंद्र और परामर्श सेवाएं विशेषकर छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ कराई जानी चाहिए। नशामुक्त समाज के लिए तीन स्तरों पर काम करना होगा- रोकथाम, उपचार और पुनर्वास। रोकथाम के तहत परिवार, विद्यालय और समुदाय मिलकर ऐसा वातावरण बनाएं, जिसमें नशे को प्रतिष्ठा नहीं, जोखिम समझा जाए। उपचार के स्तर पर नशे की लत से जूझ रहे व्यक्ति को अपराधी या नैतिक रूप से कमजोर मानने के बजाय चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई जाए। पुनर्वास में रोजगार, सामाजिक स्वीकार्यता और पारिवारिक सहयोग की भूमिका सुनिश्चित हो, ताकि उपचार के बाद व्यक्ति सम्मानपूर्वक जीवन की ओर लौट सके। केवल नशा छोड़ने की सलाह देना पर्याप्त नहीं, उसे जीवन में लौटने का अवसर भी देना होगा। नशे के विरुद्ध लड़ाई का उद्देश्य केवल नशीले पदार्थों की खपत घटाना नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों को बदलना भी होना चाहिए, जो व्यक्ति को उनकी ओर धकेलती हैं। सुरक्षित बचपन, सार्थक रोजगार, मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं और रचनात्मक गतिविधियां नशामुक्ति की मजबूत नींव बन सकती हैं।

सीखने की चाह ही बढ़ाती है ज्ञान विनम्रता से खुलते हैं नए रास्ते

एस.अमिताभ

जीवन में सबसे बड़ा बदलाव तब आने लगता है, जब कोई मान लेता है कि मैं नहीं जानता। जब तक कोई यह समझता है कि मैं सब जानता हूं, तब तक वह नया ज्ञान और नई जानकारियां हासिल करने की कोशिश नहीं करता। ऐसी स्थिति में नया ज्ञान या जानकारी उसे मिल ही नहीं सकती। बिल्कुल वैसे ही, जैसे भरे हुए गिलास में और पानी नहीं डाला जा सकता। जबकि खाली या आधे भरे गिलास में और पानी डालने की काफी गुंजाइश रहती है। यानी ऐसा दिल और दिमाग होना चाहिए, जिसमें जानने की जिज्ञासा हो, हर वक्त नया ग्रहण करने का खुलापन हो।

यही वजह है कि बच्चे बड़ों की अपेक्षा जल्दी और तेजी से सीखते हैं। उनमें जानने की इच्छा बड़ों के मुकाबले बहुत ज्यादा होती है, उनका दिमाग खाली प्लेट की तरह होता है। उसमें कुछ भी डाल सकते हैं। दूसरे शब्दों में, उनका मन हर नई चीज को सीखने के लिए खुला रहता है। इसीलिए उनमें प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति अधिक होती है। बात-बेबात पर क्यों, कैसे और क्या जैसे सवाल पूछते रहते हैं। यही आदत उनके सीखने और मानसिक विकास की राह आसान करती है।

दरअसल, उनके पास पहले से अर्जित ज्ञान, समझ और जानकारियों का बोझ नहीं होता। इसलिए हमेशा कोशिश करनी चाहिए कि हर बात और हर परिस्थिति को पहली बार की तरह देखने-जानने की इच्छा पैदा की जाए। इससे जीवन नए ज्ञान और नए रंगों से सराबोर हो उठता है। यह भी सच है कि अगर कोई जानकार है, काबिल है, किसी काम में निपुण है और तमाम जानकारियों का ज्ञाता है, तो भी उसके सीखने-जानने की गुंजाइश समाप्त नहीं हो जाती। बशर्ते कि उसके भीतर जानने और सीखने की प्रवृत्ति हो और इसके लिए अनिवार्य विनम्रता मौजूद हो।

मिसाल के तौर पर, गुरु नानक देव का एक प्रसिद्ध दृष्टांत है। वे एक बार मुल्तान पहुंचे। वहां पहले ही कई संत-महात्मा धर्म प्रचार में रत थे। उनमें से एक संत ने गुरु नानक देव को अपने शिष्य के हाथ दूध से लबालब एक कटोरा भेजा। गुरु नानक देव उठे, बगीचे से चमेली का एक फूल तोड़ा और दूध पर टिका दिया। फिर शिष्य से कहा कि 'जाओ, अपने संत को मेरी ओर से सप्रेम भेंट कर दो।' शिष्य मन ही मन तिलमिलाया, क्योंकि उसे लगा कि गुरु नानक देव ने उसके संत की भेंट को अस्वीकार किया है। शिष्य ने रोष में कटोरा लाकर अपने संत को थमा दिया।

संत ने उसे शांत किया और बोले, तुम समझे नहीं, इसीलिए परेशान हो रहे हो। बात इतनी-सी है कि मैंने गुरु देव से एक प्रश्न पूछा था और उन्होंने उसका बखूबी उत्तर दे दिया। उन्होंने आगे बताया, 'मेरा प्रश्न था कि यहां पहले से दूध जैसे पवित्र चरित्रवान महात्मा-संत विद्यमान हैं, तो आप यहां क्या करने आए हैं।' मेरे इस प्रश्न का उन्होंने उत्तर भेजा है कि जैसे चमेली के फूल ने दूध की शोभा बढ़ाई है, उसी तरह मैं भी यहां रहकर समाज को और सच्चा ज्ञान बांटने का काम करूंगा।

अमेरिकी विचारक जिम रॉन का मानना है कि हरेक के जीवन में बदलाव इससे आते हैं कि वे किन लोगों से मिलते हैं, क्या सबक सीखते हैं और कौन-सी किताबें पढ़ते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि मौका मिले, तो जीवन के विभिन्न चरणों की अपनी मनपसंद किताबों को एक बार फिर से पढ़ें। ऐसा करने वाले महसूस करने लगेंगे कि अर्जित ज्ञान से इनका कथानक तो नहीं बदला, लेकिन नजरिया जरूर बदल गया है। हालांकि, यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि ज्ञान, धन और शक्ति का प्रयोग कोई कैसे करता है। यह सीख लेने वाला अपने भीतर सुगंध, सौरभ और गरिमा पैदा कर लेता है, जिसके लिए वह जन्मा है।

यह भी सच है कि सिर्फ जानकारी हासिल कर लेना बड़ी बात नहीं, उसे सही काम में लाना सीखना भी जरूरी है। पहले अपनी ताकत का ज्ञान होना चाहिए, फिर साहस होना चाहिए और उसके बाद करने का यकीन होना चाहिए। फिर अगर इसमें विफलता मिलती है, तो कुछ न हासिल कर पाने की परिस्थिति में घबराने की कतई जरूरत नहीं है, क्योंकि इतना तय है कि उसके हिस्से ऐसा काम नहीं आएगा, जो उसके जीवन के दायरे में नहीं रहा है।

इसके समांतर सत्य यह भी है कि इस क्रम में जो काम उसके हिस्से आएगा, उसे पूरा कर पाने की सलाहियत और क्षमता उसके भीतर मौजूद होगी। अगर इस क्रम में उसके रास्ते में कोई अड़चन आती है, तो निश्चित तौर पर वह उससे पार पा लेगा, क्योंकि अपने सामने खड़ी उलझनों को सुलझाने का हुनर उसके भीतर होता है। सवाल के होने का मतलब है कि उसका जवाब भी जरूर होगा।

ज्ञान के भंडार से कुछ हासिल करने की समझ संस्कार से मिलती है। इसके और भी बहुत फायदे हैं। यह वाणी के अनियंत्रित प्रवाह को मिटा देता है। सयाने कहते हैं कि वाणी पर नियंत्रण के लिए व्यावहारिक ज्ञान की जरूरत होती है। वाणी का सदुपयोग करके ही अपने व्यक्तित्व को निखारा जा सकता है। इसी प्रकार, ज्यादातर बुद्धिमान चालबाज नहीं होते।

यह भी तय है कि जितनी प्रतिभा होती है, उतना इंसान साफ-सुथरा होता है। भीतर से सत्य को अनुभव करने वाले का सारा जीवन सौंदर्य, शांति और सद्भाव से भर जाता है। यही नहीं, जीवन उन प्रतिध्वनियों और तरंगों को प्रवाहित करने लगता है, जो समाज के लिए अमन, शांति और शीतलता की छाया बन सकती हैं। ज्ञान वृद्धि, सहिष्णुता, शिष्टाचार और सहजता से जीना ही इंसान के जीवन को खूबसूरत बनाता है।

वाराणसी और बांकीपुर में क्यों मुरझाया कमल?

सबसे अधिक चिंताजनक स्थिति उत्तर प्रदेश की है। विधान परिषद चुनावों के नतीजे केवल हार-जीत का हिसाब नहीं हैं, बल्कि वे प्रदेश की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों और संगठन की कमजोरियों के संकेत भी दे रहे हैं। इन संकेतों को समझना, उनका विश्लेषण करना और समय रहते सुधार करना भाजपा नेतृत्व की प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि पार्टी ने इन परिणामों से सबक नहीं लिया, तो अगले साल होने वाले चुनावों को लेकर उसका आकलन गलत साबित हो सकता है।

आनंद सिंह

देश के प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में विधान परिषद चुनाव में भाजपा हार जाती है, लेकिन पार्टी के भीतर कोई खास हलचल नहीं होती! भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से जुड़ी बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी पराजित हो जाता है और थोड़ी-बहुत चर्चा के बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है! सवाल यह है कि आखिर भाजपा में चुनावी हार की जवाबदेही तय करने की परंपरा कहां खो गई है? उत्तर प्रदेश में विधान परिषद चुनावों के नतीजे सामने आने के बाद क्या भाजपा ने किसी की जिम्मेदारी तय की? क्या किसी पदाधिकारी से जवाब मांगा गया? क्या संगठनात्मक स्तर पर कोई कार्रवाई हुई? बिहार में बांकीपुर की पराजय को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने क्या कदम उठाए? इन सवालों का जवाब पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को मिलना चाहिए। चुनावी हार को महज एक घटना मानकर आगे बढ़ जाना किसी भी राजनीतिक संगठन के लिए शुभ संकेत नहीं है।

वरिष्ठ पत्रकार और भाजपा की राजनीति पर गहरी पकड़ रखने वाले मेरे एक पूर्व संपादक ने अपने वीडियो में एक बेहद गंभीर टिप्पणी की है। उनका कहना है कि भाजपा के लोग अब संगठन खड़ा करने और उसे मजबूत बनाने की बजाय ठेका, ट्रांसफर और पोस्टिंग जैसे कामों में अधिक व्यस्त रहने लगे हैं। यह टिप्पणी केवल कुछ नेताओं की कार्यशैली पर सवाल नहीं उठाती, बल्कि संगठन की प्राथमिकताओं को लेकर भी गंभीर चिंता पैदा करती है।

उनका यह भी मानना है कि भूपेंद्र जी को उत्तर प्रदेश में जो संगठन मिला, उसे दुरुस्त करने में उन्होंने अपेक्षित रुचि नहीं दिखाई। यदि संगठन की कमजोरियां समय रहते दूर नहीं की गईं, तो चुनावी नतीजे लगातार चेतावनी देते रहेंगे और पार्टी नेतृत्व उन चेतावनियों को नजरअंदाज करता रहेगा।

सबसे आश्चर्यजनक स्थिति वाराणसी को लेकर है। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में भाजपा को पराजय का सामना करना पड़ा और समाजवादी पार्टी की साइकिल आगे निकल गई। नतीजे आने के 48 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद यदि पार्टी के भीतर जवाबदेही को लेकर कोई स्पष्ट संदेश नहीं दिखता, तो यह केवल एक चुनाव की हार का मामला नहीं रह जाता। यह संगठन की कार्यप्रणाली और नेतृत्व की गंभीरता पर भी सवाल खड़ा करता है।

कभी भाजपा की सांगठनिक ताकत का सबसे बड़ा आधार उसका समर्पित कार्यकर्ता हुआ करता था। बूथ स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ता, पन्ना प्रमुख और बूथ अध्यक्ष पार्टी की चुनावी रणनीति की रीढ़ माने जाते थे। पार्टी की सफलता के पीछे बूथ प्रबंधन की जिस व्यवस्था की चर्चा होती थी, आज उसी व्यवस्था की वास्तविक स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं।

संगठन में अब दरी बिछाने, कार्यकर्ताओं के बीच बैठने और जमीन पर मेहनत करने की प्रवृत्ति कमजोर पड़ती दिख रही है। जिन्हें संगठन की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है, उनमें से कुछ जिम्मेदारी निभाने के बजाय उसे दूसरों पर टालने में लगे हैं। पद और प्रभाव का इस्तेमाल यदि संगठन को मजबूत करने के बजाय निजी हित साधने में होने लगे, तो उसका खामियाजा अंततः पार्टी को ही भुगतना पड़ता है।

यह बीमारी झारखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भी चिंता का विषय बन रही है। संगठन की कमजोरियों को दूर करने की जिम्मेदारी जिन नेताओं पर है, वे यदि जमीनी हकीकत समझने के बजाय दिल्ली में अपनी राजनीतिक गोटी फिट करने में अधिक ऊर्जा लगा रहे हों, तो फिर बूथ तक संगठन को मजबूत कौन करेगा? उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी सोशल इंजीनियरिंग के जरिए अपना सामाजिक आधार बढ़ाने में जुटी है। विभिन्न सामाजिक समूहों को जोड़ने की उसकी रणनीति का असर चुनावी मुकाबलों में दिखाई देने लगा है। विधान परिषद चुनावों में मिली सफलता को इसी व्यापक राजनीतिक संदर्भ में समझने की जरूरत है। ऐसे में सत्तारूढ़ भाजपा के नेताओं की प्राथमिकताएं क्या हैं? क्या वे बदलते सामाजिक समीकरणों को गंभीरता से समझ रहे हैं? क्या उन्हें पता है कि जमीन पर मतदाताओं का मिजाज किस दिशा में बदल रहा है? या फिर वे इस भरोसे में हैं कि केंद्र और प्रदेश की सत्ता में होने भर से चुनावी जीत सुनिश्चित होती रहेगी?

राजनीति में कोई भी सफलता स्थायी नहीं होती। मतदाता का समर्थन बनाए रखने के लिए लगातार संवाद, संगठनात्मक सक्रियता और स्थानीय स्तर पर भरोसा कायम रखना पड़ता है। केवल चुनाव के समय सक्रिय होने और प्रचार के सहारे मैदान जीतने की रणनीति लंबे समय तक कारगर नहीं रह सकती।

बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा के बूथ प्रबंधन की स्थिति पर उठे सवालों को भी इसी नजरिए से देखने की जरूरत है। जिस बूथ मैनेजमेंट को भाजपा अपनी सबसे बड़ी चुनावी ताकत बताती रही है, यदि वह किसी महत्वपूर्ण चुनाव में ताश के पत्तों की तरह बिखरता दिखाई दे, तो यह सामान्य घटना नहीं है। यह इस बात का संकेत हो सकता है कि संगठन के भीतर कहीं न कहीं गंभीर खामियां पैदा हो चुकी हैं। सबसे अधिक चिंताजनक स्थिति उत्तर प्रदेश की है। विधान परिषद चुनावों के नतीजे केवल हार-जीत का हिसाब नहीं हैं, बल्कि वे प्रदेश की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों और संगठन की कमजोरियों के संकेत भी दे रहे हैं। इन संकेतों को समझना, उनका विश्लेषण करना और समय रहते सुधार करना भाजपा नेतृत्व की प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि पार्टी ने इन परिणामों से सबक नहीं लिया, तो अगले साल होने वाले चुनावों को लेकर उसका आकलन गलत साबित हो सकता है। दिल्ली में बैठे नेताओं को चुनावी परिस्थितियां जितनी आसान दिखाई दे रही हैं, जमीन पर मुकाबला उससे कहीं अधिक कठिन हो सकता है। संगठन की कमजोरियों को दूर करने के लिए अब केवल बैठकों, भाषणों और समीक्षा के औपचारिक कार्यक्रमों से काम नहीं चलेगा। यह देखना होगा कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ता सक्रिय हैं या नहीं, पन्ना प्रमुख अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं या नहीं, स्थानीय पदाधिकारी जनता के बीच मौजूद हैं या नहीं और संगठनात्मक पदों पर बैठे लोग वास्तव में पार्टी के लिए कितना समय दे रहे हैं। यदि जनवरी में चुनाव की घोषणा संभावित है, तो भाजपा के पास संगठन को दुरुस्त करने के लिए लगभग चार महीने का समय है। यह अवधि बहुत लंबी नहीं है। इस दौरान पार्टी को संगठन के ढीले पेच कसने होंगे, जिम्मेदारियों की समीक्षा करनी होगी और निष्क्रिय पदाधिकारियों के स्थान पर काम करने वाले लोगों को आगे लाना होगा। सबसे जरूरी है कि चुनावी हार के बाद जवाबदेही तय करने की स्पष्ट व्यवस्था बने। केवल निचले स्तर के कार्यकर्ताओं से सवाल पूछने के बजाय उन नेताओं से भी जवाब मांगा जाए, जिनके हाथों में संगठन की जिम्मेदारी है। यदि जीत का श्रेय लेने में बड़े नेता आगे रहते हैं, तो हार की जिम्मेदारी से वे पीछे क्यों हटें?

भाजपा के सामने आज असली चुनौती केवल विपक्ष को पराजित करने की नहीं, बल्कि अपने संगठन को फिर से जमीन से जोड़ने की है। पार्टी को यह समझना होगा कि सत्ता संगठन का विकल्प नहीं हो सकती और राजनीतिक प्रभाव जमीनी मेहनत की जगह नहीं ले सकता। वाराणसी की हार, बांकीपुर के सवाल और उत्तर प्रदेश के विधान परिषद चुनावों के नतीजों को अलग-अलग घटनाएं मानकर नजरअंदाज करना बड़ी भूल होगी। ये सभी परिणाम कम-से-कम एक सवाल जरूर पूछ रहे हैं—क्या भाजपा का संगठन अब भी कार्यकर्ताओं के दम पर चलता है, या संगठन के नाम पर चलने वाली व्यवस्था में निजी हित हावी होने लगे हैं?

इस सवाल का जवाब भाषणों से नहीं, कार्रवाई से मिलेगा। समय रहते संगठन की कमजोरियां दूर कर ली गईं, तो पार्टी के पास परिस्थितियां सुधारने का अवसर है। लेकिन यदि हार के बाद भी जिम्मेदारी तय नहीं हुई और जमीनी कार्यकर्ताओं की आवाज अनसुनी होती रही, तो आने वाले चुनाव भाजपा के लिए उतने आसान नहीं होंगे, जितने कुछ नेता अभी मानकर चल रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सरखोर-बाजारभाठा मार्ग बदहाल जान जोखिम में डालकर सफर कर रहे ग्रामीण और विद्यार्थी



बलौदा बाजार। तहसील मुख्यालय लवन से जुड़े आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीण इन दिनों जर्जर सड़कों के कारण आवागमन की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। खासकर बारिश के मौसम में सड़कों पर बने गड्ढों में पानी भर जाने से राहगीरों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि छोटे-बड़े सभी आवश्यक कार्यों के लिए उन्हें लवन आना-जाना पड़ता है, लेकिन सड़कों की बदहाल स्थिति के चलते उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी ही बदहाली ग्राम सरखोर से बाजारभाठा-करदा पहुंच मार्ग की देखने को मिल रही है। सरखोर से बाजारभाठा की दूरी महज ढाई किलोमीटर है, लेकिन प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित यह सड़क वर्तमान में पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। बारिश के चलते इन गड्ढों में पानी भर गया है, जिससे उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया है। ऐसे में वाहन चालक आए दिन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इस मार्ग से होकर सरखोर हाईस्कूल एवं सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र-छात्राएं प्रतिदिन आवागमन करते हैं। सड़क की खराब स्थिति के कारण विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पानी से भरे गड्ढों के कारण कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। अभिभावक भी बच्चों की सुरक्षित आवाजाही को लेकर चिंतित हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने से दोपहिया और चारपहिया वाहनों का गुजरना मुश्किल हो गया है। वाहनों के निकलते ही गड्ढों में भरा कीचड़ आसपास के राहगीरों और अन्य वाहनों पर उछलता है, जिससे कई बार विवाद की स्थिति भी निर्मित हो जाती है। हालात ऐसे हैं कि इस मार्ग पर वाहन चलाना तो दूर, पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है। क्षेत्रवासियों एवं विद्यार्थियों ने संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों से सरखोर-बाजारभाठा मार्ग की जल्द से जल्द मरम्मत कराने अथवा सड़क का नवनिर्माण कराने की मांग की है।

नैला दुर्गा पंडाल से बाइक पार करने वाले 2 शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी की HF डीलक्स बरामद



जांजगीर-चांपा। नैला स्थित दुर्गा पंडाल के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी करने के मामले में चौकी नैला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रायपुर जिले के तिल्दा क्षेत्र से दो अंतरजिला चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गई एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 50,000 बताई गई है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार, प्रार्थी मनुप्रताप पटेल (निवासी कुरदा, वार्ड क्रमांक 11, चौकी नैला) 16 अक्टूबर को अपनी एचएफडीलक्स मोटरसाइकिल से नैला स्थित दुर्गा पंडाल में दर्शन करने पहुंचे थे। उन्होंने अपनी बाइक नहरिया बाबा मंदिर रोड स्थित एक दुकान के पास खड़ी की थी। दर्शन कर लगभग एक घंटे बाद लौटने पर मोटरसाइकिल मौके से नदारद मिली। काफी खोजबीन के बाद भी सुराग न मिलने पर प्रार्थी ने चौकी नैला में चोरी की लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने अपराध कायम कर विवेचना शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से पुख्ता सूचना प्राप्त हुई कि चोरी गई मोटरसाइकिल को रायपुर जिले के तिल्दा क्षेत्र के दो युवक चला रहे हैं।

प्रेस विज्ञप्ति :- धन - संपत्ति सभी के पास होती है किंतु सदुपयोग कोई-कोई ही करते हैं - राजेश्री महन्त जी



शिवरीनारायण। महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज पीठाधीश्वर श्री शिवरीनारायण मठ एवं श्रीदूधाधारी मठ रायपुर, जिला जांजगीर - चांपा के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत स्थित ग्राम पकरिया एवं पड़रिया में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ में सम्मिलित हुए। इन कार्यक्रमों में क्रमशः आचार्य पवन चतुर्वेदी जी एवं राजेंद्र शर्मा जी महाराज व्यास पीठ पर विराजित है। आयोजन कर्ताओं के द्वारा राजेश्री महन्त जी महाराज का अत्यंत ही आत्मीयतापूर्ण स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए राजेश्री महन्त जी ने कहा कि - पूर्वजों के असीम पुण्य और आशीर्वाद से इस तरह के आध्यात्मिक आयोजन संपन्न होते हैं। धन- संपत्ति सभी के पास होता है किंतु इसका सदुपयोग कोई -कोई ही कर पाते हैं। आप लोगों ने अपने पूर्वजों की स्मृति में श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया है, मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूरा विश्वास है कि आपके पितरों को निश्चित ही मोक्ष की प्राप्ति होगी। आचार्य चतुर्वेदी जी ने व्यास पीठ से उद्धृत करते हुए कहा कि - जहां सन्त पधारते हैं वहां पाप का अंत स्वयं ही हो जाता है। उन्होंने बहुत ही अच्छा स्वागत गीत प्रस्तुत किया।



राज्य स्तरीय तलवारबाजी में जिले के खिलाड़ियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जांजगीर-चांपा। 26 वी छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय फेंसिंग (तलवारबाजी) चेम्पियनशिप का आयोजन सेक्टर 1 स्पात क्लब भिलाई में 1 नवम्बर को छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग संघ, सम्बद्ध खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन,छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के संयुक्त तत्वावधान में वीर हनुमान अवार्ड से सम्मानित NIS कोच जॉशन सोलोमन के देखरेख पर आयोजित किया गया,जांजगीर चाम्पा जिले के महिला खिलाड़ी रूखमणी रानू ने द्वत्ताईल इवेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर द्वितीय स्थान सिल्वर मैडल वैभवी सिंह सिसोदिया ने इप्पी इवेंट में सिल्वर मेडल स्वाति गढेवाल ने सेबर इवेंट में तृतीय स्थान कांस्य पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाये हैं उक्त चेम्पियनशिप में खिलाड़ियों का चयन 37 वी सीनियर नेशनल फेंसिंग चेम्पियनशिप जो की 27 नवम्बर से 2 दिसंबर 2026 तक अमृतसर पंजाब में होगी के लिए किया गया है ज्ञातव्य हो कि फेंसिंग एक प्राचीन तलवारबाजी की कला है जो कि सरकार द्वारा ओलंपिक खेलो में सम्मिलित है,खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर जिला फेंसिंग संघ के अध्यक्ष संतोष गुप्ता,जिला कराते संघ के अध्यक्ष सनत राठौर,प्रदेश संयुक्त सचिव वरूण पाण्डेय,खेल एवं युवा कल्याण विभाग जिला खेल अधिकारी पुष्पा कोरी, सहायक एस एस बघेल, जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष हितेश यादव, कार्यकारिणी अध्यक्ष अमर सुलतानियाँ, सचिव जितेंद्र तिवारी प्रेमियों ने हर्ष व्यस्त किए हैं।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग पूरे देश के लिए रोल मॉडल

हॉकी देश का गौरव : केंद्रीय मंत्री मांडविया

- **मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में हुए शामिल**



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने विजेता एवं उपविजेता टीमों सहित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस आयोजन ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभवी खिलाड़ियों से सीखने का अवसर प्रदान किया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। हमारे गांवों, जनजातीय अंचलों और दूरस्थ क्षेत्रों में अपार खेल प्रतिभाएं मौजूद हैं। आवश्यकता है उन्हें उचित अवसर, आधुनिक प्रशिक्षण और बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की। राज्य सरकार इसी उद्देश्य के साथ खेल अधोसंरचना के विस्तार और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग ने प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों को खेल के माध्यम से एक सूत्र में पिरोने का सराहनीय कार्य किया है। प्रतियोगिता में छह टीमों—राजधानी रॉयल्स, न्यायधानी नाइट्स, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स, चक्रधर चैंपियंस, बैलाडीला बुल्स और मैनपाट टाइटंस ने भाग लिया। इन छह टीमों की सहभागिता ने इस आयोजन को पूरे छत्तीसगढ़ का खेल उत्सव बना दिया। बस्तर से लेकर सरगुजा और रायगढ़ से लेकर राजनांदगांव तक के खिलाड़ियों को आपस में खेलने, अनुभव साझा करने और अपनी खेल क्षमता को निखारने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस लीग की एक बड़ी विशेषता प्रत्येक टीम में एक-एक ओलंपिक खिलाड़ी की सहभागिता रही। इससे प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले अनुभवी खिलाड़ियों के साथ मैदान साझा करने और खेल की बारीकियां सीखने का अवसर मिला। इस प्रकार के आयोजन युवा खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ ही उन्हें भविष्य की बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का संदेश 'चलव रे संगी, हॉकी खेलबो' प्रदेश के युवाओं को खेल के मैदान से जोड़ने का प्रेरक मंत्र बनकर सामने आया है। इस आयोजन की विशेष बात यह भी रही कि प्रतियोगिता के मुकाबलों के प्रसारण की व्यवस्था जियोहॉटस्टार पर की गई। इससे छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों की प्रतिभा को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचने का अवसर मिला। हिंदी के साथ छत्तीसगढ़ी भाषा में कमेंट्री की व्यवस्था ने आयोजन को और अधिक आत्मीय तथा स्थानीय संस्कृति से जुड़ा बनाया। हॉकी के रोमांच के साथ छत्तीसगढ़ी भाषा की मिठास भी दर्शकों तक पहुंची। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को पहचानने, उन्हें प्रोत्साहित करने तथा बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसी दिशा में मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन की शुरुआत की गई है।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का आयोजन पूरे देश के लिए रोल मॉडल

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का आयोजन पूरे देश के लिए रोल मॉडल है। यदि सरकार में दृढ़ इच्छाशक्ति हो, तो ऐसे सफल आयोजन संभव हैं। ऐसे आयोजनों से खेलों के विकास के साथ ही अच्छे खिलाड़ियों का निर्माण होता है, जो खेलों की प्रगति के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हॉकी का खेल देश का गौरव है। हॉकी भारत की समृद्ध खेल परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद ने अपने अद्भुत खेल कौशल से पूरी दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाया। उनकी उपलब्धियां आज भी देश के युवा खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती हैं। डॉ. मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के प्रति एक नया वातावरण तैयार हुआ है। खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे अभियानों ने युवाओं में खेलों के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाई है। आज देश के युवा खेल को केवल मनोरंजन या शारीरिक दक्षता का माध्यम नहीं, बल्कि अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और उज्ज्वल भविष्य बनाने के महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देख रहे हैं। डॉ. मांडविया ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का स्वरूप और अधिक व्यापक तथा प्रतिस्पर्धात्मक होगा। यह लीग न केवल प्रदेश, बल्कि देश के खिलाड़ियों के लिए आगे बढ़ने का सशक्त मंच बनेगी।

सुरक्षित बचपन अभियान: विद्यालयों में विशेष विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन





बालकों के लैंगिक शोषण और लैंगिक दुरूपयोग जघन्य अपराध

राजनांदगांव। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशन तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के मागदर्शन में सुरक्षित बचपन अभियान का प्रथम चरण के समापन दिवस 31 अक्टूबर 2026 को राजनांदगांव एवं तहसील स्तर पर स्थित्त विद्यालयों में विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के संबंध में जागरूक किए जाने हेतु विशेष विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। सुरक्षित बचपन अभियान के तहत आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कन्हारपुरी, वेसलियन इंग्लिश मीडियम स्कूल, स्टेट स्कूल पूर्व माध्यमिक शाला, शासकीय हाईस्कूल सोमनी में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में न्यायाधीशगणों द्वारा विद्यार्थियों को लैंगिक उत्पीड़न से पीड़ित को कानूनी संरक्षण के संबंध में जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि कोई भी विद्यार्थी लैंगिक अपराध में शामिल होता है तो वह कानून की दृष्टि में जघन्य अपराध है। वर्तमान परिस्थिति में विद्यार्थी अत्यधिक सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं तथा नवीन एआई तकनीक का उपयोग कर सोशल मीडिया के फोटो को परिवर्तित कर देते हैं तथा परिवर्तित फोटो को सोशल मीडिया में अपलोड भी कर देते हैं। जिससे संबंधित फोटो, समाज में पीड़ित पर दुष्प्रभाव डालता है। पीड़ित ऐसी जानकारी को तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन में देना चाहिए। ऐसा कृत्य करने वाले कोई भी व्यक्ति कानून में दोषी पाए जा सकते हैं। विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के उपयोग से बचना चाहिये। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रीति नागवंशी द्वारा शासकीय हाईस्कूल सोमनी में ई-कचरा संग्रहण कॉर्नर का शुभारंभ किया गया।

ग्राम कुटहा में भगवान श्रीराम मंदिर निर्माण का भूमिपूजन संपन्न, गाँव में छाया भक्तिमय माहौल



बेमेतरा। श्रद्धा, आस्था और भक्ति के पावन वातावरण के बीच साजा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कुटहा में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण का भूमिपूजन विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर पालिकाध्यक्ष विजय सिन्हा एवं गांव के दाऊ डॉ. आशीष दानी के करकमलों से भूमिपूजन किया गया। बताया गया कि श्रीराम मंदिर का निर्माण डॉ. आशीष दानी के द्वारा कराया जाएगा। भूमिपूजन के दौरान मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना और जय श्रीराम के जयघोष से पूरा ग्राम परिसर गूंज उठा। ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर इस पावन कार्यक्रम में भाग लिया। महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों में मंदिर निर्माण को लेकर विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। ग्रामीणों का कहना है कि भगवान श्रीराम का मंदिर बनने से गांव में धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना और भी मजबूत होगी। मंदिर न केवल आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि गांव की एकता, संस्कार और परंपरा का प्रतीक भी होगा। इस अवसर पर गांव के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने मंदिर निर्माण की सफलता के लिए भगवान श्रीराम से प्रार्थना की और एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

सुवा नाच : गाँव की चौपाल पर मासूमों की नन्हीं पायल बजी, परम्परा ने फिर ली अंगड़ाई



बेमेतरा। दिवाली के पहले और धान कटाई के बीच का समय... गाँव में जब शाम ढलती है तो गलियों में सुवा की आवाज गूंजने लगती है। ऐसा ही एक मनमोहक दृश्य एक छोटी सी किराना दुकान के सामने देखने को मिला, जहाँ नन्हें-मुन्ने कलाकारों ने सुवा नाच की झलक दिखाकर सबका मन मोह लिया। तस्वीरों में साफदिख रहा है, एक छोटी बच्ची पीली साड़ी पहने, सिर पर सुवा की टोली के साथ नाच की मुद्रा में है। उसके साथ हरी साड़ी पहनी एक और बच्ची और पीले कुर्ते में एक नन्हा बालक भी है। सबसे आगे नारंगी-पीली साड़ी में एक बड़ी लड़की लय संभाल रही है, जैसे वही इस टोली की अगुआ हो। दुकान के सामने चप्पल उतारकर, बिना किसी मंच, बिना किसी माइक के ये बच्चे पूरी तन्मयता से नाच रहे थे। किसी के हाथ में छोटी थाली, कोई गीत गाता हुआ, तो कोई बस साथियों की ताल पर ताल मिलाता हुआ। गाँव के लोग, दुकानदार और राहगीर कुछ देर के लिए ठहर गए। मोबाइल से फोटो लेने लगे, मुस्कुराने लगे। सुवा नाच छत्तीसगढ़ की सबसे पुरानी और लोकप्रिय लोक-नृत्य परम्पराओं में से एक है। यह नृत्य खासतौर पर महिलाएं और लड़कियां करती हैं। सुवा यानी तोता। इस नाच में स्त्रियाँ गोल घेरा बनाकर, हाथों से ताली बजाकर, सुवा गीत गाती हैं।

राज्योत्सव के नाम पर औपचारिकता का आयोजन

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस जैसे गौरवशाली अवसर पर जिला प्रशासन ऐसा राज्योत्सव आयोजित करने जा रहा है, जिसकी तैयारियों से उत्साह कम और सरकारी औपचारिकता ज्यादा नजर आ रही है। 2 नवंबर को शासकीय हाई स्कूल मैदान में होने वाले जिला स्तरीय राज्योत्सव का कार्यक्रम महज पांच घंटे में सिमटता दिखाई दे रहा है। सवाल यह है कि जिस आयोजन के जरिए छत्तीसगढ़ की संस्कृति, कला और उपलब्धियों का प्रदर्शन होना चाहिए, वह आखिर एक सामान्य सरकारी कार्यक्रम बनकर क्यों रह गया। कार्यक्रम की रूपरेखा पर नजर डालें तो दोपहर 3 बजे स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और शाम 7 बजे छत्तीसगढ़ी गायक सुनील मानिकपुरी की प्रस्तुति प्रस्तावित है। इसके अलावा किसी बड़े कलाकार या चर्चित सांस्कृतिक हस्ती को आमंत्रित नहीं किया गया है। ऐसे में लाखों रुपये खर्च होने वाले आयोजन में आकर्षण आखिर क्या होगा।

बलरामपुर में कथित सिंडिकेट की जड़ बने वर्षों से जमे कर्मचारी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक प्रभाव की निष्पक्ष जांच की मांग

- **मंत्री-विधायक और कलेक्टर बदलते रहे, लेकिन नहीं बदली पर्दे के पीछे काम करने वालों की व्यवस्था**



बलरामपुर। जिले में सरकारें बदलती रहीं, मंत्री-विधायक बदलते रहे और कलेक्टर सहित बड़े प्रशासनिक अधिकारियों की पदस्थापना भी बदलती रही, लेकिन प्रशासनिक व्यवस्था के भीतर वर्षों से एक ही स्थान पर जमे कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि यही लोग कथित सिंडिकेट की जड़ बनकर प्रशासनिक व्यवस्था में अपना प्रभाव बनाए हुए हैं और पर्दे के पीछे रहकर सरकारी कामकाज तथा निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं।

सिंडिकेट की जड़ और भ्रष्टाचार की संभावित कड़ी की जांच जरूरी

किसी भी प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बेहद जरूरी है। लेकिन जब कुछ कर्मचारी लंबे समय तक एक ही स्थान पर बने रहते हैं और उनके इर्द-गिर्द अनौपचारिक प्रभाव का नेटवर्क विकसित होने की शिकायतें सामने आती हैं, तो उनकी भूमिका की जांच आवश्यक हो जाती है। स्थानीय स्तर पर आरोप हैं कि कथित सिंडिकेट के माध्यम से प्रशासनिक गतिविधियों, सरकारी योजनाओं, विकास कार्यों और विभिन्न आयोजनों में प्रभाव बनाने की कोशिश की जाती है। ऐसे में यह जांच होनी चाहिए कि क्या लंबे समय से पदस्थ कर्मचारियों की भूमिका किसी प्रकार की अनियमितता, अनुचित लाभ या भ्रष्टाचार से जुड़ी रही है? यह भी जांच का विषय होना चाहिए कि किन कर्मचारियों के माध्यम से महत्वपूर्ण फाइलें संचालित होती हैं।

2 से 15 साल से एक ही जगह जमे कर्मचारी, आखिर किसका संरक्षण?

सबसे बड़ा सवाल उन कर्मचारियों और अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर है, जो कथित तौर पर 12 से 15 वर्षों या उससे अधिक समय से एक ही स्थान अथवा समान प्रकृति के कार्यों से जुड़े हुए हैं। आखिर ऐसी कौन सी प्रशासनिक मजबूरी है कि इतने लंबे समय तक संवेदनशील जिम्मेदारियों पर उन्हीं लोगों की तैनाती बनी हुई है? आरोप लगाने वालों का कहना है कि लंबे समय तक एक ही स्थान पर बने रहने से कुछ कर्मचारियों का विभागीय कामकाज, फाइलों की आवाजाही, ठेका प्रक्रिया, भुगतान व्यवस्था और अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर प्रभाव बढ़ जाता है। यदि इस प्रभाव का इस्तेमाल निजी हितों के लिए किया जाता है तो यह भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं की संभावनाओं को बढ़ा सकता है।

शक्तिपीठ सारंगढ़ में बैठक संपन्न, तैयारियां तेज

सारंगढ़ में होने जा रहा है भव्य 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ

- **4 से 7 दिसंबर तक होगा आयोजन, डॉ. चिन्मय पंड्या जी का होगा विशेष प्रवचन! गायत्री परिवार ने की सभी से आने की अपील।**



सारंगढ़ बिलाईगढ। गायत्री शक्तिपीठ सारंगढ़ में 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस महायज्ञ का आयोजन 4 दिसंबर से 7 दिसंबर तक सारंगढ़ में किया जाएगा, जिसकी तैयारियां अब युद्ध स्तर पर शुरू हो गई हैं। बैठक में पूर्व में हुए कार्यों की समीक्षा की गई और अनुदान एकत्र करने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि स्थानीय स्तर पर युद्ध-स्तर पर लोगों से संपर्क कर आमंत्रण दिया जाएगा और अगले शनिवार तक कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। स्थानीय सारंगढ़ की टोली में स्थायी रूप से महेंद्र अग्रवाल जी, श्रीवल जी, रतन गोपाल जी, सुरेश साहू जी, श्री गौतम पटेल जी, मिलन सिंह चौहान सहित अन्य कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। आपको बता दें कि यह 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ 4 दिसंबर शुक्रवार से 7 दिसंबर सोमवार तक पान-पानी-पालागी की नगरी सारंगढ़ में होगा। 4 तारीख को कलश यात्रा निकलेगी और 5 तारीख को शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे श्रद्धेय डॉ. चिन्मय पंड्या जी का विशेष उद्बोधन होगा। इस दौरान नि:शुल्क संस्कार, भव्य प्रदर्शनी और दीप महायज्ञ जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं कार्यक्रम मे वित्त मंत्री ओपी चौधरी, उच्च शिक्षा व जिले के प्रभारी मंत्री टंक राम वर्मा सहित विधायक, सांसद एवं जिले के अधिकारीगण अतिथि के रूप मे शामिल होंगे. गायत्री परिवार शाखा सारंगढ़ ने सभी धर्मप्रेमी जनता से इस महायज्ञ में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

08 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयाजना 4 दिसंबर से

08 कुंडीय गायत्री महायज्ञ 4 दिसंबर शुक्रवार से 7 दिसंबर सोमवार तक पान-पानी-पालागी की नगरी सारंगढ़ में होगा। 4 तारीख को कलश यात्रा निकलेगी और 5 तारीख को शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे श्रद्धेय डॉ. चिन्मय पंड्या जी का विशेष उद्बोधन होगा। इस दौरान नि :शुल्क संस्कार, भव्य प्रदर्शनी और दीप महायज्ञ जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं कार्यक्रम मे वित्त मंत्री ओपी चौधरी, उच्च शिक्षा व जिले के प्रभारी मंत्री टंक राम वर्मा सहित विधायक, सांसद एवं जिले के अधिकारीगण अतिथि के रूप मे शामिल होंगे.

संक्षिप्त समाचार

राज्योत्सव में 'आयुष कल्पवृक्ष' बना आकर्षण का केंद्र नारी स्वास्थ्य एवं आयुष योजनाओं की दी जानकारी, 956 मरीजों को मिला निःशुल्क चिकित्सा लाभ



बिलासपुर। जिला स्तरीय राज्योत्सव के अवसर पर पुलिस ग्राउंड में आयुष विभाग द्वारा 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' थीम पर एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर एवं जनजागरूकता प्रदर्शनी आयोजित की गई। जिला आयुष अधिकारी डॉ. यशपाल सिंह ध्रुव के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में महिला स्वास्थ्य, पोषण, मातृत्व संरक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में कुल 956 मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा लाभ मिला। इनमें आयुर्वेद के 506, होम्योपैथी के 270 एवं यूनानी चिकित्सा के 180 मरीज शामिल थे। शिविर में चिकित्सा एवं योग परामर्श के साथ आयुष काढ़े का वितरण किया गया। प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण 'आयुष कल्पवृक्ष' रहा। इसके माध्यम से सुप्रजा योजना, गर्भ संस्कार, पोषण अभियान, वयोमित्र, एनसीडी, ऑस्टियोआर्थराइटिस एवं कारुण्य प्रशामक देखभाल की जानकारी दी गई। नवदुर्गा के नौ स्वरूपों से संबंधित औषधीय पौधे प्रदर्शित किए गए। लक्ष्मी तरु के सीड बॉल वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। साथ ही 25 से 30 महिलाओं को आयुष स्वास्थ्य एवं आरोग्य किट प्रदान की गईं। महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्टॉल का निरीक्षण किया। आयोजन का समन्वय नोडल अधिकारी डॉ. रश्मि जितपुरे ने किया। विभाग के चिकित्सा अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहयोग दिया।

ऑपरेशन बाज के तहत बिल्हा पुलिस की कार्रवाई, पांच स्थायी वारंटी गिरफ्तार

बिलासपुर। फरार स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन बाज के तहत बिल्हा पुलिस ने पांच स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पकड़े गए वारंटी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बच रहे थे। पुलिस के अनुसार, तीन सप्ताह के भीतर थाना बिल्हा पुलिस अब तक कुल 19 स्थायी वारंटों की तामिली कर चुकी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बिलासपुर के उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारियों को ऑपरेशन बाज के तहत स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। इसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह और नगर पुलिस अधीक्षक चकरभाठा राजेश जोशी के मार्गदर्शन में बिल्हा थाना प्रभारी ने विशेष टीम गठित कर फरार वारंटियों की तलाश शुरू की। इस दौरान पुलिस ने सूचना तंत्र को सक्रिय कर लंबे समय से फरार चल रहे पांच स्थायी वारंटियों का पता लगाया। इनमें हत्या और विद्युत अधिनियम से जुड़े मामलों के आरोपी भी शामिल हैं। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर 2 नवंबर को न्यायालय में पेश किया। गिरफ्तार स्थायी वारंटियों में परमेश्वर यादव (35 वर्ष), निवासी सारधा थाना चकरभाठा, लक्ष्मीनारायण जोशी (22 वर्ष), निवासी बरतोरी थाना बिल्हा, मिलन प्रसाद (45 वर्ष), निवासी बिटकुली थाना बिल्हा, नारायण राजपूत (20 वर्ष), निवासी उमरिया थाना बिल्हा और संतोष डहरिया (32 वर्ष), निवासी दौना थाना पथरिया, जिला मुंगेली शामिल हैं।

बिल्हा पुलिस की कार्रवाई, बिना रॉयल्टी दस्तावेज के काला पत्थर परिवहन करते चार माजदा वाहन जब्त

बिलासपुर। बिल्हा पुलिस ने अवैध खनिज परिवहन के संदेह में कार्रवाई करते हुए काला पत्थर (फर्श) से लदे चार माजदा वाहनों को जब्त किया है। वाहन चालकों से खनिज परिवहन से संबंधित रॉयल्टी दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस ने चारों वाहनों और उनमें लोड खनिज को जब्त कर चालकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, 2 नवंबर को स्थायी वारंटियों की पतासाजी के दौरान बिल्हा पुलिस की टीम झाल मोड़ के पास पहुंची थी। इसी दौरान चार माजदा वाहनों में काला पत्थर (फर्श) का परिवहन होते दिखाई दिया। पुलिस ने वाहनों को रोककर चालकों से पूछताछ की और खनिज परिवहन से संबंधित दस्तावेज मांगे। दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने वाहनों को जब्त कर थाने लाया।

पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

आत्मविश्वास और परिश्रम से बनाएं अपनी पहचान,समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं युवा

■ 24 हजार 800 विद्यार्थियों को उपाधियां एवं डिप्लोमा प्रदान किए गए

बिलासपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि युवा आत्मविश्वास, निरंतर प्रयास और अपनी विशिष्ट प्रतिभा के बल पर जीवन में आगे बढ़ें। असफलता से घबराने के बजाय उसके कारणों को समझें और गलतियों से सीखकर पुनः प्रयास करें। शिक्षा का उपयोग व्यक्तिगत सफलता के साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए भी होना चाहिए। राज्यपाल आज पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, बिलासपुर के सप्तम दीक्षांत समारोह को अध्यक्षीय आसंदी से संबोधित कर रहे थे। समारोह में पिछले पांच वर्षों के 24 हजार 800 विद्यार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा की उपाधियां प्रदान की गईं। समारोह में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक धरमलाल कौशिक एवं सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष कैलाश चंद्र शर्मा, नेक अध्यक्ष नागेश्वर राव, विश्वविद्यालय के कुलपति वीरेंद्र कुमार सारस्वत तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उन्नत आधिकारिक वेबसाइट का लोकार्पण और स्मारिका 'अभ्युदय' का विमोचन किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से एकलव्य विद्यालय देवपहरी के 311 विद्यार्थियों को बैग, स्वेटर, टिफिन एवं पानी की बोतलें वितरित की गईं। राज्यपाल श्री डेका ने उपाधि एवं पदक प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियों में अभिभावकों, गुरुजनों और शिक्षण संस्थानों का महत्वपूर्ण योगदान है। दीक्षांत समारोह जीवन में नई ऊर्जा और नई जिम्मेदारियों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। मुक्त विश्वविद्यालय दूरस्थ क्षेत्रों तक ज्ञान पहुंचाने और शिक्षा के अवसरों का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।



इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने ज्ञान तक पहुंच आसान बनाई है। युवाओं को इन साधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करते हुए अपनी विचारशक्ति और रचनात्मक क्षमता को विकसित करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि आज रोजगार और आजीविका के अनेक नए क्षेत्र उपलब्ध हैं। युवाओं को अपनी रुचि और क्षमता पहचानकर पूरी मेहनत से आगे बढ़ना चाहिए। जीवन में अपना स्थान स्वयं बनाना पड़ता है। दूसरों की नकल अथवा तुलना करने के बजाय अपनी विशिष्टता पर विश्वास रखें। उन्होंने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे बच्चों पर अपनी अपेक्षाएं थोपने के बजाय उनकी रुचि और प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ने में सहयोग दें। श्री डेका ने जीवन में आंतरिक संतुष्टि, संतुलन और परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की आवश्यकता बताई। उन्होंने डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से बचने और अपने समय का सार्थक कार्यों में उपयोग करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने, पौधे लगाने और उनकी देखभाल जैसे कार्यों से समाज में बदलाव ला सकता है। जीवन में ऐसा कार्य अवश्य करें, जिसका उद्देश्य केवल लेन-देन नहीं, बल्कि सकारात्मक परिवर्तन हो। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने उपाधि एवं पदक प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज के उत्थान में करें। स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक पंडित सुंदरलाल शर्मा के नाम पर स्थापित यह विश्वविद्यालय उन लोगों के सपनों को साकार कर रहा है, जो कामकाज अथवा अन्य परिस्थितियों के कारण नियमित अध्ययन नहीं कर पाते। उन्होंने विश्वविद्यालय को नैक की 'ए प्लस' ग्रेडिंग मिलने पर बधाई दी और कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को आगे बढ़ाने तथा शिक्षा की पहुंच बढ़ाने में विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

15वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल बैंड प्रतियोगिता का बिलासपुर में भव्य शुभारंभ



बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के एन.ई. इंस्टीट्यूट रेलवे ग्राउंड में आज 15वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) बैंड प्रतियोगिता-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। बिलासपुर को लगातार चौथी बार इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिला है। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में बैंड की मधुर धुनों, आकर्षक प्रस्तुतियों और प्रतिभागियों के शानदार तालमेल ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री मुनव्वर खुर्शीद, महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री मोहम्मद साकिब, उप महानिरीक्षक-सह-मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेसुब, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, बिलासपुर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं बल सदस्य उपस्थित रहे। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रीय रेलों की रेलवे सुरक्षा बल की कुल 14 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें 200 से अधिक प्रतिभागी अपनी बैंड वादन कला, अनुशासन, संगीत कौशल एवं सामूहिक तालमेल का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों का चयन 27वीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता-2026 में भागीदारी के लिए किया जाएगा। प्रतियोगिता के निष्पक्ष एवं पारदर्शी मूल्यांकन के लिए विभिन्न अर्धसैनिक बलों के सेवानिवृत्त अधिकारियों को निर्णायक मंडल में शामिल किया गया है। निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागी टीमों के प्रदर्शन, वादन कौशल, अनुशासन एवं समन्वय के आधार पर श्रेष्ठ टीमों का चयन किया जाएगा।

जल बचाएं थीम पर स्टेशनों में जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से दिया गया संदेश

■ पानी का सदुयोग करने के लिए रेलकर्मियों, सफाई मित्रों एवं यात्रियों को किया गया प्रेरित



बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा ऊर्जा के विवेकपूर्ण उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे द्वारा 01 से 07 नवम्बर 2026 तक आयोजित 'ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह' के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में 'मिशन लाइफ' के तहत सप्ताह के दौरान विभिन्न जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज 03 नवम्बर को 'जल बचाएं' थीम के अंतर्गत बिलासपुर मंडल के सभी रेलवे स्टेशनों पर जल संरक्षण के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके तहत रेलवे कर्मचारियों, सफाई मित्रों एवं यात्रियों को जल की अनावश्यक खपत रोकने तथा जल का विवेकपूर्ण ढंग से उपयोग करने के लिए प्रेरित गया। मंडल के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर वाणिज्य विभाग व चिकित्सा विभाग के पर्यवेक्षकों द्वारा कर्मचारियों तथा सफाई मित्रों को संयुक्त रूप से जल संरक्षण एवं जल के सदुपयोग की शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही रेलवे स्टेशनों के आसपास एवं परिसर में स्थित वाटर बूथ, ट्यूबवेल तथा अन्य जल स्रोतों का निरीक्षण किया गया और उनकी नियमित साफ-सफाई एवं स्वच्छता सुनिश्चित की गई। रेलवे कॉलोनियों में जलापूर्ति के लिए स्थापित फिल्टर हाउस एवं वाटर स्टोरेज टैंकों का भी निरीक्षण किया गया। साथ ही, जल की गुणवत्ता का परीक्षण करने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों से जल के नमूने एकत्रित किए गए।

कोरबा में रेलवे पटरी के पास मिला मगरमच्छ का बच्चा,इलाके में दहशत;बड़े मगरमच्छ की आशंका

कोरबा। कुसमुंडा क्षेत्र के प्रेम नगर वार्ड क्रमांक 65 स्थित भैरोताल में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब खोलार नाले के पास रेलवे पटरियों के नजदीक मगरमच्छ का एक बच्चा दिखाई दिया। रिहायशी इलाके के करीब मगरमच्छ मिलने की खबर से स्थानीय लोगों में भय का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय पार्षद प्रेम साहू मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से मगरमच्छ के बच्चे को पकड़कर बोरे में बंद किया और वन विभाग को इसकी सूचना दी। पार्षद के मुताबिक, इससे पहले भी रेलवे पटरी पर एक मगरमच्छ मृत अवस्था में मिला था। ऐसे में आसपास किसी बड़े मगरमच्छ की मौजूदगी की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, खोलार नाला हसदेव नदी से जुड़ा हुआ है। आशंका है कि इसी जलमार्ग के जरिए मगरमच्छ रिहायशी इलाकों तक पहुंच रहे हैं। कुछ दिन पहले भी क्षेत्र में एक मगरमच्छ मृत मिला था। लगातार मगरमच्छ दिखाई देने की घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। मामले की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हो गई है। वहीं पार्षद प्रेम साहू ने स्थानीय नागरिकों से नाले और नदी के आसपास जाने से बचने तथा पानी में नहीं उतरने की अपील की है। लोगों ने वन विभाग से क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और मगरमच्छों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की मांग की है।

मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन ने 10 संरक्षा प्रहरियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित...

■ सतर्कता एवं सजगता से संभावित रेल दुर्घटनाओं को टालने तथा संरक्षित रेल परिचालन में दिया महत्वपूर्ण योगदान



बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में संरक्षित रेल परिचालन के प्रति सतर्कता, सजगता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए संभावित दुर्घटनाओं को टालने वाले मंडल के 10 रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन द्वारा संरक्षा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित रेलकर्मियों में श्री राकेश कुमार चौरसिया (सहायक लोको पायलट), श्री पी.एस. राव (ट्रेन मैनेजर), श्री प्रफुल्ल रंजन कुमार (छ्वश/क्कछ्वड्ड4), श्री अरुण कुमार (वरिष्ठ ट्रेन मैनेजर), श्रीमती प्रेमलता (सहायक/ष्ट×ड्ड), श्री दिलीप कुमार बर्मन (स्टेशन मास्टर), श्री अनुराग कुमार गुप्ता , श्री जयराम कुमार (सहायक लोको पायलट), श्री एस.के. पाठक (गेटमैन क्रू-69) एवं श्री विनोद कुमार (वरिष्ठ ट्रेन मैनेजर) शामिल हैं। इन रेलकर्मियों ने विगत दिनों ड्यूटी के दौरान असामान्य परिस्थितियों एवं संभावित खतरों की समय रहते पहचान कर सराहनीय कार्य किए। इनमें छ्वष्टक्र के अचानक ट्रैक पर आने पर इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी को दुर्घटना से बचाना, ब्रेक वैन से धुआं एवं हॉट एक्सल की पहचान, रेल प्रैक्चर देखना, वैगन में टूटे कंट्रोल रॉड तथा लटकती हुई कंट्रोल रॉड को देखना, चक्का टूटने की सूचना देना, ट्रेन में गंभीर ब्रेक बाईंडिंग की पहचान करना तथा ट्रांसफार्मर में आग लगने की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को देना जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही मॉक ड्रिल में भी सतर्कता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ सराहनीय योगदान दिया गया। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने सभी संरक्षा प्रहरियों को पुरस्कार प्रदान कर उनकी सराहना की।

कोयला खनन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 50 खदानों को स्टार रेटिंग पुरस्कारों से किया गया सम्मानित.....

■ एसईसीएल की पाँच खदानों को मिला फाइव स्टार सम्मान—चार भूमिगत एवं एक ओपनकास्ट खदान शामिल

■ केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे ने पुरस्कार वितरित किए, जिम्मेदार एवं सतत खनन पर दिया जोर

बिलासपुर। भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा आज रायपुर, छत्तीसगढ़ स्थित मेफेयर लेक रिसॉर्ट में स्टार रेटिंग पुरस्कार समारोह 2026 का आयोजन किया गया। समारोह में वित्त वर्ष 2024-25 के मूल्यांकन के आधार पर कोयला एवं लिग्नाइट खनन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली देश की कुल 50 पांच सितारा खदानों को सम्मानित किया गया। इनमें 15 भूमिगत तथा 35 ओपनकास्ट खदानें शामिल हैं। इन पुरस्कारों के माध्यम से सुरक्षित, कुशल, वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल खनन की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली खदानों के योगदान को मान्यता दी गई। समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे ने पुरस्कार वितरित किए। पुरस्कार वितरण के पश्चात अपने संबोधन में उन्होंने कोयला क्षेत्र में उत्कृष्टता, सुरक्षित खनन, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जिम्मेदार एवं सतत खनन पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया।



कार्यक्रम में कोयला मंत्रालय के अपर सचिव श्री सानोज कुमार झा, कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष श्री बी. साईराम, कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ), नई दिल्ली के कोयला नियंत्रक श्री सतीश कुमार सहित कोयला मंत्रालय एवं विभिन्न कोयला कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समारोह में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की पाँच खदानों को पांच सितारा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनमें भूमिगत श्रेणी में बंगवार, खैराहा, बहेराबांध एवं विजय वेस्ट खदान तथा ओपनकास्ट श्रेणी में जगन्नाथपुर खदान शामिल हैं। चार भूमिगत एवं एक ओपनकास्ट खदान को मिला यह सम्मान सुरक्षित खनन, परिचालन दक्षता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति एसईसीएल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। छत्तीसगढ़ में संचालित अन्य पुरस्कृत खदानों में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड की गेरे पेलमा सेक्टर-ड्डड्डड्ड कोल माइन तथा पारसा केंटे कोलियरीज लिमिटेड की पारसा ईस्ट एंड कांटा बासन ओपनकास्ट कोल माइन भी शामिल हैं। कोयला मंत्रालय की स्टार रेटिंग नीति के अंतर्गत कोयला एवं लिग्नाइट खदानों के प्रदर्शन का विभिन्न निर्धारित मानकों पर व्यापक मूल्यांकन किया जाता है। इनमें परिचालन दक्षता, उत्पादन एवं उत्पादकता, तकनीकी नवाचार, व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, पर्यावरण प्रबंधन, सतत विकास तथा स्थानीय समुदायों के कल्याण से जुड़े पहलू शामिल हैं।

शादी का झांसा देकर 8 साल तक महिला का शोषण किया

बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में शादी का झांसा देकर एक महिला का आठ साल तक दैहिक शोषण करने के आरोप में पुलिस ने 45 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले करीब डेढ़ महीने से फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता की शिकायत पर थाना अजाक (कोरिया) में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 12/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (ङ्कहस) की धारा 69 और एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(1) के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर करीब आठ वर्षों तक महिला का शोषण किया। मामले में 14 सितंबर 2026 को आखिरी घटना ह सामने आई थी। इसके बाद से आरोपी फरार था। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोरिया पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। उप पुलिस अधीक्षक नेलशन कुजूर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। लगातार पतासाजी के बाद पुलिस ने 29 अक्टूबर 2026 को जांजगीर जिले के शिवरीनारायण में दबिश देकर आरोपी अरुण कुमार साहू (45), पिता बुल्लू राम साद, निवासी ग्राम खोरसी, थाना शिवरीनारायण को गिरफ्तार कर लिया।

बेस्टी शनाया को अनन्या पांडे ने दिया क्यूट सरप्राइज

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपनी बेस्ट फ्रेंड शनाया कपूर को उनके जन्मदिन पर खास अंदाज में विश किया है। इस मौके पर अनन्या ने ऐसा आउटफिट पहना, जिसने सबका ध्यान खींच लिया। वह अपनी ब्लैक टी-शर्ट पर शनाया की बचपन की तस्वीर लगाए नजर आईं। अनन्या का यह अंदाज सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। दोनों की दोस्ती बचपन से है और अक्सर उनकी बॉन्डिंग देखने को मिलती है।



शनाया कपूर सोमवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर अनन्या ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक मिरर सेल्फी शेयर की। इसमें वह ब्लैक टी-शर्ट पहने नजर आईं, जिस पर शनाया की बचपन की तस्वीर छपी हुई थी। उन्होंने इसके साथ बेज कलर का बॉटम और ब्राइट पिंक हैंडबैग कैरी किया था। अनन्या ने इस तस्वीर के साथ लिखा, 'बिना कहे बताओ कि तुम्हारी बेस्ट फ्रेंड का बर्थडे है।' उनका यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। अनन्या ने अपनी दूसरी स्टोरी में शनाया के बर्थडे सेलिब्रेशन की झलक भी दिखाई। तस्वीर में शनाया ब्लैक ऑफ शोल्डर आउटफिट में नजर आ रही हैं। वह एक सिंगल कैंडल वाले केक के पास झुककर पोज देती दिखीं। अपनी दोस्त को जन्मदिन की बधाई देते हुए अनन्या ने लिखा, 'लव ऑफ माय लाइफ, हैप्पी बर्थडे माय शनाया पपाया। अनन्या और शनाया की दोस्ती काफी पुरानी है। दोनों बचपन से एक-दूसरे के करीब हैं। उनकी मां भावना पांडे और महीप कपूर भी कई सालों से अच्छी दोस्त



हैं। यही वजह है कि दोनों परिवारों के बीच भी काफी अच्छा बॉन्ड है। शनाया के जन्मदिन पर उनके पिता संजय कपूर ने भी खास अंदाज में उन्हें विश किया। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें शनाया के बचपन से लेकर अब तक की कई झलकियां थीं। इसके साथ उन्होंने बेटी को जन्मदिन की बधाई दी।शनाया कपूर ने साल 2020 में आई फिल्म 'गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल' में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया था।

दुनियाभर में 'रामायण' की गूंज

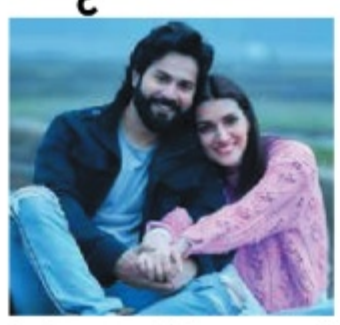


नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' की रिलीज डेट जैसे-जैसे पास आ रही है, वैसे-वैसे इसकी एडवांस बुकिंग ने जबरदस्त रफ्तार पकड़ ली है। भारत में 'रामायण' की एडवांस टिकट बिक्री में भारी उछाल आया है, जबकि विदेश में भी फिल्म की बुकिंग लगातार रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म 'रामायण' की एडवांस बुकिंग दशहरा पर वर्ल्डवाइड रिलीज से पूरे 15 दिन पहले ही शुरू कर दी गई थी।

हालांकि, शुरुआती 10 दिनों तक सिर्फ हिंदी वर्जन के शो ही बड़े पैमाने पर उपलब्ध थे और उसमें भी सिंगल-स्क्रीन- छोटे सिनेमाघरों में बुकिंग पूरी तरह नहीं खुली थी। लेकिन शुक्रवार को डिस्ट्रीब्यूटर्स और थिएटर मालिकों के बीच की बात बन गई। इसके बाद से हर घंटे देश भर में नए सिनेमाघरों में प्री-सेल्स तेजी से शुरू हो रही है। खास बात है कि रामायण ने रिलीज से पहले ही वर्ल्डवाइड एडवांस बुकिंग में 75 करोड़ से ज्यादा कमाई कर चुकी है। भारत को छोड़कर दुनिया भर में इसके ग्लोबल डिस्ट्रिब्यूशन की जिम्मेदारी सोनी पिक्चर्स संभाल रहा है, जबकि हिंदी भाषी मार्केट में धर्मा प्रोडक्शंस इसे डिस्ट्रीब्यूट कर रहा है। इसके अलावा, फिल्म को दुनियाभर में आईमैक्स फॉर्मेट में भी बड़े स्तर पर रिलीज करने की तैयारी है।रिलीज से 3 दिन पहले तक' रामायण' ने भारत में एडवांस बुकिंग के जरिए 37 करोड़ का शानदार कलेक्शन कर लिया है। इसमें से धमाकेदार 22 करोड़ की कमाई तो सिर्फ पहले दिन के लिए हुई है, जबकि बाकी रकम पूरे एक्सटेंडेड वीकेंड में बंटी हुई है। हिंदी बेल्ट में फिल्म की मांग सबसे ज्यादा बनी हुई है, लेकिन कन्नड़ और तेलुगु वर्जन्स भी अब तेजी से रफ्तार पकड़ रहे हैं। सोमवार सुबह तक कन्नड़ वर्जन ने लगभग 4 करोड़ और तेलुगु वर्जन ने 2 करोड़ से ज्यादा के टिकट बेच लिए हैं। पूरे भारत में 'रामायण' के अब तक करीब 9 लाख टिकट एडवांस में बिक चुके हैं। खास बात यह है कि कुल स्क्रीन्स में से सिर्फ 4 फीसदी हिस्सेदारी होने के बावजूद आईमैक्स जैसे प्रीमियम फॉर्मेट्स कुल बिक्री में लगभग एक-चौथाई योगदान दे रहे हैं। टिकटों की यह बिक्री रणबीर कपूर की 'एनिमल' और यश की 'केजीएफ चैप्टर 2' जैसी बड़ी ब्लॉकबस्टर्स से भी ज्यादा तेज है। हालांकि, यह अभी 'धुरंधर 2', 'आरआरआर' और 'पुष्पा 2' के एडवांस बुकिंग आंकड़ों से थोड़ी पीछे चल रही है। विदेशों में 'रामायण' को लेकर बना जबरदस्त माहौल इसके लिए बहुत फायदेमंद साबित हो रहा है। नॉर्थ अमेरिका में फिल्म की रिलीज से एक दिन पहले यानी 4 नवंबर को पेड प्रिव्यू रखे गए हैं। वर्ल्ड प्रीमियर के महज 24 घंटों के भीतर ही इसकी कमाई में 27 फीसदी का बड़ा उछाल देखने को मिला। सोमवार सुबह तक फिल्म ने ओवरसीज मार्केट से एडवांस बुकिंग में 3.19 मिलियन डॉलर (लगभग 32 करोड़) की कमाई कर ली है, जिसमें अकेले अमेरिका के पेड प्रिव्यू से आया 1.15 मिलियन से ज्यादा का कलेक्शन शामिल है।

हॉलीवुड फिल्म के सूत्रधार बने वरुण धवन और कृति सेनन

प्यार और अंधी सनक के बीच के बारीक अंतर को अगर समझना है तो उसका एक मजबूत उदाहरण हॉलीवुड के 26 वर्षीय फिल्म निर्देशक कर्री बार्कर की फिल्म ऑब्सेशन (Obsession) के जरिए आसानी से लगाया जा सकता है।



बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के बाद अब हिंदी वर्जन में ऑब्सेशन को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया गया है।जिसे हिंदी भाषा में बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और कृति सेनन ने अपनी आवाज देकर प्रभावशाली बनाया है। ऐसे में आइए जानते हैं कि साइकोलॉजिल थ्रिलर ऑब्सेशन फिल्म कैसी है। गौर किया जाए ऑब्सेशन की कहानी की तरफ तो ये जुनूनी लव स्टोरी है, जिसमें बीयर (माइकल जॉनस्टन नाम का एक लड़का अपनी सहकर्मी और दोस्त निक्की का प्यार पाने के लिए एक रहस्यमयी वस्तु वन विश विलो से मन्नत मांगता है कि वह लड़की उससे बेइंतहा प्यार करने लगे। लेकिन बीयर को इस बात का अंदाजा नहीं है, उसकी यही मन्नत उसके लिए जी जंजाल बन जाएगी। उस विश के बाद बीयर की मनोकामना पूरी हो जाती है और निक्की उससे प्यार करने लगती है।

रिलीज होते ही छा गया शाहरुख का गाना

शाहरुख खान की 'किंग' को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। आज यानी 2 नवंबर को शाहरुख खान के बर्थडे पर उनकी मच अवेटेड फिल्म का गाना रिलीज हो चुका है। इस गाने ने आते ही सोशल मीडिया पर अपनी जगह पक्की कर ली है। अब खुद करण जौहर भी इस गाने की तारीफ किए बिना रह नहीं पा रहे हैं। करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम पर गाने की क्लिप शेयर की है और गाने को लेकर अपनी दिल की बात बयां की है। 2 नवंबर को मेकर्स ने अपकमिंग फिल्म KING का पहला गाना रिलीज कर दिया है।



इस गाने ने रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर कब्जा कर लिया है। इस गाने ने करण जौहर का दिल भी जीत लिया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर गाने को लेकर पोस्ट शेयर की है और दीपिका और शाहरुख खान की जमकर तारीफ की है। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण के गाने 'तू मिल जाए' के रिलीज होते ही लोग गाने पर प्यार लुटा रहे हैं। खुद करण जौहर भी एक्ट्रेस की खूबसूरती और किंग के एब्स की जमकर की तारीफ कर रहे हैं। बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी इससे पहले भी फैंस के दिलों पर राज कर चुकी हैं। अब एक बार फिर से वह लोगों के दिलो पर राज करने आ रहे हैं। उनकी मच अवेटेड फिल्म 'किंग' का पहला गाना 'तू मिल जाए' रिलीज हो चुका है। इस रोमांटिक गाने में शाहरुख और दीपिका की शानदार केमिस्ट्री लोगों को हैरान कर रही हैं। करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राशाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की मच अवेटेड फिल्म 'किंग' का पहला गाना 'तू मिल जाए' रिलीज होते ही छा गया है। इस गाने में दोनों स्टार्स की म स्टोरी पर फिल्म 'किंग' के गाने 'तू मिल जाए' को शेयर किया है। उन्होंने अपनी पोस्ट में, दीपिका पादुकोण और फिल्म के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद को टैग करते हुए लिखा, 'किंग का ऑडियो, किंग के विजुअल्स, क्वीन जैसी खूबसूरती और जबरदस्त एब्स। ब्लॉकबस्टर म्यूजिक चार्ट्स के लिए सब कुछ तैयार है।

ओटीटी पर हॉरर फिल्म ने जमाया कब्जा

थिएटर के बाद ओटीटी पर फिल्मों का रिलीज होना आजकल आम बात हो गई है। फिर चाहे वह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही हो या फ्लॉप, ओटीटी पर उसे दूसरी पारी खेलने का मौका जरूर मिलता है। अगर हिट फिल्म ओटीटी पर आती है तो डबल प्रॉफिट होता है और ज्यादा दर्शकों तक उसकी पहुंच होती है वहीं फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही हो तो कुछ नुकसान की भरपाई तो ओटीटी कर ही देता है।



इसके अलावा जो दर्शक थिएटर में जाकर नहीं बल्कि घर बैठकर फिल्में देखना पसंद करते हैं उनके लिए भी यह एक अच्छा मौका होता है। 2026 में एक हॉरर फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक दी और अपनी खौफनाक कहानी के दम पर वह दुनियाभर में छा गई। इसके साथ ही फिल्म ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर जमकर नोट छापे। यह फिल्म है मई 2026 में रिलीज होने वाली सुपरनैचुरल हॉरर ऑब्सेशन। जिसे 26 साल के डायरेक्टर Curry Barker ने बनाया। थिएटर्स में लोगों की सराहना और करोड़ों रुपये कमाने के बाद इस फिल्म ने भारत में 30 अक्टूबर को जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई। थिएटर्स में दर्शकों के रोंगटे खड़े करने के बाद ऑब्सेशन अब ओटीटी पर रिलीज हुई है और आते ही यह नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है। IMDb पर इसे 7.8 की रेटिंग मिली है।कहानी बेयर नाम के एक इंट्रोवर्ट लड़के की है जो चाहता है कि उससे बेइंतहा प्यार करने लगे। इसके लिए वह वन-विश विलो नाम की एक सुपरनैचुरल वस्तु का उपयोग करता है और विश मांगता है कि निक्की उसे दुनिया में किसी और से ज्यादा प्यार करे।

फीचर

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि वालों के लिए कल का दिन शिक्षा और बुद्धि के लिहाज से अच्छा रहने वाला है। आपकी प्रतिभा में निखार आएगा और धन प्राप्ति के प्रयास सफल हो सकते हैं। परिवार में किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। हालांकि, संचित धन खर्च होने की संभावना है। जमीन-जायदाद से जुड़े पुराने विवाद सुलझ सकते हैं।

वृषभ राशि - वृषभ राशि वालों की कल पढ़ाई-लिखाई और चिंतन-मनन में रुचि बढ़ेगी। आपके मन में नई उम्मीदें जागेंगी और लाभकारी प्रयास सफल हो सकते हैं। सामाजिक क्षेत्र में लोकप्रियता बढ़ेगी। आर्थिक लाभ के साथ मान-सम्मान और प्रतिष्ठा मिलने के योग हैं।

मिथुन राशि - मिथुन राशि वालों के लिए कल रोजगार से जुड़े कामों में व्यस्तता बढ़ सकती है। आर्थिक मामलों में किए गए प्रयास सफल होंगे। गुप्त विरोधियों की साजिश नाकाम हो सकती है। माता-पिता का सहयोग मिलेगा और किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मदद मिल सकती है।

कर्क राशि - कर्क राशि वालों की कल पढ़ाई, भाषण और प्रवचन जैसे कार्यों में रुचि बढ़ेगी। व्यापार और व्यवसाय में सफलता मिलने के योग हैं। घर के लिए उपयोगी वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी और परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा।

सिंह राशि - सिंह राशि वालों के लिए कल का दिन सफलता और लाभ लेकर आ सकता है। आमदनी होने के बावजूद बचत में कमी महसूस हो सकती है। कामकाज में आ रही रुकावटें दूर होंगी और बिगड़े हुए काम बनने लगेंगे। कारोबार में उम्मीद से अधिक लाभ मिल सकता है।

कन्या राशि - कन्या राशि वालों का प्रभाव कल सरकारी उच्चाधिकारियों के बीच बढ़ सकता है। जीवन में नई उम्मीदें जागेंगी और सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी। इष्ट-मित्रों का पूरा सहयोग मिलेगा। धैर्य और साहस के साथ किए गए काम सफल होंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और स्वास्थ्य भी अच्छा रहने की संभावना है।

तुला राशि- तुला राशि वालों को कल मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। आप अपनी इच्छित सफलता की दिशा में आगे बढ़ेंगे। आर्थिक संतुलन बनाए रखने में सफल रहेंगे, लेकिन परिवार की जिम्मेदारियों पर अधिक खर्च करना पड़ सकता है।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि वालों के लिए कल का दिन अनुकूल रहने वाला है। अपनी बुद्धि और कौशल के दम पर हर जगह प्रशंसा हासिल करेंगे। लंबे समय से मन में चल रही इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। कारोबार में शुभ बदलाव और आर्थिक लाभ के योग हैं। मान-सम्मान और स्वाभिमान बना रहेगा। मित्रों और रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा।

धनु राशि- धनु राशि वालों को कल कोई शुभ समाचार मिल सकता है। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। किसी बड़ी योजना को पूरा करने में कई लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को परीक्षा और प्रतियोगिता में अनुकूल परिणाम मिल सकते हैं। अपने प्रयासों पर भरोसा रखें।

मकर राशि - मकर राशि वालों के लिए कल का दिन पारिवारिक सुख-सुविधाओं से भरा रह सकता है। रहन-सहन, खानपान और निवास से जुड़ी सुविधाओं में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास मजबूत होगा और विरोधियों पर विजय मिलेगी। सामाजिक और राजनीतिक संपर्कों का लाभ मिल सकता है। लंबे समय से अटकी हुई रकम वापस मिलने के योग हैं।

कुंभ राशि- कुंभ राशि वालों के स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता में वृद्धि होगी। आमदनी बढ़ने के संकेत हैं और नए लोगों से संपर्क का दायरा विस्तृत होगा। माता-पिता और अन्य बुजुर्गों के प्रति आदर का भाव बढ़ेगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मीन राशि-मीन राशि वालों को कल अपने काम पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कार्यक्षेत्र में अपनी मेहनत और लगन से प्रशंसा हासिल कर सकते हैं। आपके धैर्य, गंभीरता और सहनशीलता से परिवार का कोई महत्वपूर्ण काम पूरा होगा।

दिवाली पर घर को दीयों से सजाने के वास्तु नियम

दिवाली पर घर को दीयों से सजाने की तैयारी तो हर कोई करता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि दीया रखते समय भी कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए? अगर आप भी इस दिवाली घर को खूबसूरत और रोशन बनाने वाले हैं, तो ये आर्टिकल आपके लिए काफी काम का हो सकता है। दरअसल, दिवाली पर दीया जलाना सिर्फ घर को सजाने तक ही सीमित नहीं है। इसे शुभता और पॉजिटिविटी से भी जोड़कर देखा जाता है। वास्तु शास्त्र में भी दीया जलाने की जगह और दिशा को लेकर कई बातें बताई गई हैं। वहीं, कुछ ऐसी गलतियां भी हैं जिन्हें वास्तु के हिसाब से ठीक नहीं माना जाता है। अगर आपके दिमाग में भी यही सवाल है, तो इस आर्टिकल को पूरा पढ़ने के बाद आपका कन्फ्यूजन दूर हो जाएगा। तो चलिए, आसान शब्दों में जानते हैं कि दिवाली पर दीया जलाते समय किन गलतियों से बचना चाहिए।

गलत दिशा में दीया जलाने की गलती न करें

दिवाली पर घर में दीये जलाते समय सबसे पहले उनकी दिशा का ध्यान रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की उत्तर-पूर्व यानी ईशान दिशा को बहुत ही शुभ माना जाता है। यह दिशा पूजा-पाठ और धार्मिक कामों के लिए अच्छी मानी जाती है। ऐसे में दिवाली के दिन इस दिशा में दीया जलाना शुभ माना जाता है। इसके अलावा आप घर की पूर्व और उत्तर दिशा में भी दीये जला सकते हैं। हालांकि, सिर्फ दिशा देखकर दीया ऐसी जगह नहीं रखना चाहिए जहां



उसके गिरने का डर हो। दीया हमेशा किसी सुरक्षित और साफ जगह पर ही रखें। अगर आपके घर में किसी दिशा में जगह नहीं है, तो जबरदस्ती वहां दीया रखने की जरूरत नहीं है। घर की बनावट और सुरक्षा का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है।

मुख्य दरवाजे पर दीया रखना न भूलें

दिवाली के दिन घर का मुख्य दरवाजा सबसे खास जगहों में से एक माना जाता है। वास्तु शास्त्र में भी मुख्य दरवाजे को काफी अहम माना गया है। यही वजह है कि दिवाली पर लोग घर के मेन गेट के पास रंगोली बनाते हैं और उसके आसपास दीये जलाते हैं। अगर आप भी ऐसा कर रहे हैं, तो मुख्य दरवाजे के दोनों तरफ दीया रख सकते हैं। बस इस बात का ध्यान रखें कि दीया दरवाजे के आने-जाने वाले रास्ते के बीच में न रखा हो। वहां जूते-चप्पल या कोई दूसरा सामान भी इधर-उधर न पड़ा हो।

टूटे या चटके हुए दीये इस्तेमाल न करें

दिवाली से पहले जब घर की सफाई होती है तो पुराने मिट्टी के दीये भी बाहर निकाल लिए जाते हैं। कई बार इनमें से कुछ दीये टूटे हुए या चटके हुए मिलते हैं। ऐसे दीयों को दोबारा इस्तेमाल करने की गलती नहीं करनी चाहिए। वास्तु शास्त्र में भी टूटे हुए सामान को घर में रखना अच्छा नहीं माना जाता है और दिवाली जैसे शुभ मौके पर टूटे दीये जलाने से बचने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा चटका हुआ दीया जलाने पर तेल या घी बाहर निकल सकता है और दीया गिर भी सकता है। इसलिए दिवाली से पहले अपने पुराने दीयों को एक बार अच्छी तरह देख लें। जो दीये सही हालत में हों, उन्हीं का इस्तेमाल करें। इससे पूजा और सजावट दोनों अच्छे तरीके से हो पाएंगे।

दीये को गंदगी या जूते-चप्पल के पास न रखें

दिवाली पर घर को सजाते समय कई लोग जहां जगह मिलती है, वहीं दीया रख देते हैं। लेकिन ऐसा करना सही नहीं है। वास्तु के हिसाब से दीया हमेशा साफ-सुथरी जगह पर रखना चाहिए। खासकर जूते-चप्पल रखने वाली जगह, कूड़ेदान के पास या गंदगी वाली जगह पर दीया नहीं रखना चाहिए। दिवाली पर अगर आप मुख्य दरवाजे के पास दीये जला रहे हैं तो पहले उस जगह की अच्छी तरह सफाई कर लें। जूते-चप्पल को भी एक तरफ कर दें। इससे दीया भी सुरक्षित रहेगा और घर का मेन गेट भी ज्यादा साफ और सुंदर दिखाई देगा। आखिर दिवाली पर घर की साफ-सफाई और रोशनी दोनों का खास महत्व होता है।

ऊनी कपड़ों से फिनायल की बदबू हटाने के आसान तरीके

सर्दियों में अलमारी से स्वेटर या जैकेट निकालते ही अगर फिनायल की तेज गंध आने लगे, तो उन्हें पहनने का मन नहीं करता। अलमारी में रखी फिनायल की गोलियां कपड़ों को कीड़ों से बचाने के लिए इस्तेमाल की जाती हैं, लेकिन उनकी गंध ऊनी कपड़ों में लंबे समय तक बनी रहती है।



1. कपड़ों को खुली हवा में रखें

फिनायल की गंध कम करने के लिए सबसे पहले स्वेटर और जैकेट को हैंगर पर टांगकर हवादार जगह पर रखें। कुछ समय तक हवा लगने दें, ताकि कपड़ों में फंसी गंध धीरे-धीरे कम हो सके। हल्की धूप में भी रख सकते हैं, लेकिन तेज धूप से बचें। कपड़े का केयर लेबल देखकर ही तय करें कि उसे धूप में रखना सुरक्षित है या नहीं। बीच-बीच में कपड़ों को पलटते रहें।

2. सिरके और पानी का घोल इस्तेमाल करें

सफेद सिरका गंध कम करने में मदद कर सकता है, लेकिन हर ऊनी कपड़े पर इसका इस्तेमाल सही नहीं होता। सिरके को पानी में मिलाकर घोल तैयार करें और पहले कपड़े के किसी छिपे हुए हिस्से पर इसकी जांच करें। रंग या फैब्रिक पर कोई असर न दिखे, तभी आगे इस्तेमाल करने के बारे में सोचें। घोल को सीधे पूरे स्वेटर या जैकेट पर न छिड़कें।

3. अलमारी में रखें बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा आसपास की गंध सोखने में मदद कर सकता है। इसे एक छोटी खुली कटोरी में भरकर अलमारी के अंदर या कपड़ों से थोड़ी दूरी पर रख दें। ध्यान रखें कि इसका पाउडर सीधे स्वेटर या जैकेट पर न गिरे। इससे कपड़ों पर सफेद निशान पड़ सकते हैं।

दिवाली पर घर के मेन गेट को कैसे सजाएं?

दिवाली आने में अब ज्यादा समय नहीं बचा है और इसी वजह से लोगों ने घर की सजावट के लिए नए-नए आइडियाज तलाशने शुरू कर दिए हैं। कोई अपने लिविंग रूम को सजाने की तैयारी कर रहा है, तो कोई बालकनी में लाइट्स लगाने के बारे में सोच रहा है। लेकिन घर को सजाते समय कई बार लोग एक ऐसी जगह को नजरअंदाज कर देते हैं, जहां से दिवाली की रौनक की शुरुआत होती है।



दरवाजे पर लगाएं फूलों वाला तोरण

दिवाली के समय घर के मेन गेट को सजाने के लिए फूलों का इस्तेमाल करना सबसे आसान तरीकों में से एक है। इसके लिए आप दरवाजे के ऊपर गेंदे के फूलों वाला तोरण लगा सकते हैं। अगर आप चाहें तो इसके दोनों किनारों पर फूलों की छोटी-छोटी लड़ियां भी लटका सकते हैं। पीले और ऑरेंज गेंदे के फूल दरवाजे पर काफी अच्छे लगते हैं। वहीं, इनके साथ आम के पत्ते लगाने से डेकोरेशन को थोड़ा ट्रेडिशनल लुक भी मिल सकता है। अगर आप हर दिन फ्रेश फूल नहीं लगा सकते, तो बाजार में मिलने वाले कपड़े के फूलों का तोरण भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

मेन गेट के सामने बनाएं फूलों की रंगोली

दिवाली पर घर के दरवाजे के सामने रंगोली बनाना भी डेकोरेशन का एक अच्छा तरीका हो सकता है। अगर आपको रंगों से बड़ी रंगोली बनाना मुश्किल लगता है, तो ऐसे में फूलों की पंखुड़ियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए गेंदे और गुलाब की पंखुड़ियों से गोल या फूलों जैसा डिजाइन तैयार करें। इसके बीच में एक छोटा दीया भी रखा जा सकता है। अगर दरवाजे के सामने ज्यादा जगह नहीं है, तो छोटी रंगोली बनाना ही बेहतर रहेगा। इससे आने-जाने का रास्ता भी खाली रहेगा और मेन गेट भी सजा हुआ दिखाई देगा।

दोनों तरफ रखें डेकोरेटिव दीये

अगर आपके मेन गेट के दोनों तरफ थोड़ी खाली जगह है, तो वहां मिट्टी या पीतल के छोटे दीये रखकर डेकोरेशन कर सकते हैं। इसके लिए दरवाजे के दोनों तरफ एक जैसी चौकी या छोटी ट्रे रखें और उन पर 2 से 3 दीये सजाएं। इनके आसपास फूलों की पंखुड़ियां रखने से पूरा सेटअप और अच्छा लगेगा।

दरवाजे के दोनों तरफ लगाएं फेयरी लाइट्स

अगर आप चाहते हैं कि शाम होते ही आपका मेन गेट दूर से ही चमकता हुआ दिखाई दे, तो ऐसे में फेयरी लाइट्स काफी काम आ सकती हैं। आप दरवाजे के ऊपर और दोनों किनारों पर छोटी लाइट्स लगा सकते हैं। अगर आपके घर का दरवाजा गहरे रंग का है, तो उसके साथ हल्की पीली रोशनी वाली लाइट्स काफी अच्छी लगेंगी। वहीं, सफेद दरवाजे पर रंगीन लाइट्स भी लगाई जा सकती हैं। हालांकि, लाइट्स लगाते समय इस बात का ध्यान रखें कि उनके तार दरवाजे के हैंडल या कुंडी में न फंसें और साथ ही आने-जाने में भी कोई परेशानी न हो।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग का बाल संरक्षण की दिशा में प्रयास

नुक्कड़ नाटक एवं ड्राइंग प्रतियोगिता से बच्चों को किया जागरूक

दुर्ग । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा संचालित सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत दुर्ग जिले के दुर्ग, पाटन, भिलाई-3 एवं धमधा क्षेत्रों में अधिक से अधिक विद्यालयों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया जा रहा है। इन शिविरों का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के अध्यक्ष श्री के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन एवं सचिव श्री उमेश कुमार भागवतकर के समन्वय से आयोजित इन कार्यक्रमों में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीशगण, पैनल अधिवक्ताओं, साइबर सेल के अधिकारियों, लॉ यूनिवर्सिटी के प्राध्यापकगण, विधि के विद्यार्थियों तथा पैरा लीगल वॉलंटियर्स (बच्छू) द्वारा सहभागिता की जा रही है।अभियान का उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, बाल शोषण एवं बाल विवाह जैसी सामाजिक



बुराइयों से सुरक्षा प्रदान करना तथा इंटरनेट की दुनिया में मौजूद खतरों के प्रति सतर्क बनाना है। इसके अंतर्गत जिले के प्रत्येक चयनित विद्यालय में छह निर्धारित विषयों में से एक विषय पर विस्तारपूर्वक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, ताकि विद्यार्थी एवं शिक्षक संबंधित विषय को बेहतर ढंग से समझ सकें। अभियान के छह प्रमुख विषयों में 'मेरा बचपन, मेरा अधिकार', 'कानून जानो, बचपन बचाओ', 'सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित बचपन', 'बोलो, बताओ, बचाओ', 'ना बाल विवाह, ना बाल शोषण' तथा 'जागरूक बचपन, सशक्त भारत' शामिल हैं।

इन विषयों के माध्यम से विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा, अच्छे एवं बुरे स्पर्श की पहचान, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, साइबर अपराधों से बचाव, बाल विवाह एवं बाल शोषण से संबंधित कानूनी प्रावधानों तथा शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। बच्चों को यह भी बताया जा रहा है कि किसी भी प्रकार की असुरक्षित परिस्थिति या अनुचित व्यवहार का सामना करने पर चुप रहने के बजाय अपने माता-पिता, शिक्षक अथवा संबंधित सक्षम अधिकारी से सहायता प्राप्त करना उनका अधिकार है। अभियान के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मर्रा में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मैट्स यूनिवर्सिटी के डॉ0 आई0 नागमणी देशलहरे सहायक प्राध्यापक विधि विभाग मैट्स लॉ स्कूल रायपुर, उनके विधि विद्यार्थियों, विद्यालय के अध्यापकगण, विद्यार्थियों एवं स्टॉफ की सहभागिता रही। मैट्स यूनिवर्सिटी, रायपुर के विद्यार्थियों द्वारा बच्चों के लिए नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसे विद्यार्थियों ने बड़े ध्यानपूर्वक देखा। नाटक के माध्यम से बच्चों को उनके अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा एवं असुरक्षित परिस्थितियों की पहचान के संबंध में रोचक एवं सरल तरीके से जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त कुछ विद्यालयों में ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन कर विद्यार्थियों को सुरक्षित बचपन, बाल अधिकार एवं बाल संरक्षण जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया।

सुपेला फ्लाइओवर पर मौत बनकर पलटा ट्रक, चालक को आई झपकी; बाल-बाल बचे राहगीर भी

भिलाई । भिलाई के सुपेला फ्लाइओवर पर चालक को झपकी आने से लोहे के तारों से लदा ट्रक पलट गया। डिवाइडर से टकराने के बाद हुआ हादसा, बाल-बाल बचे राहगीर। भिलाई में बड़ा हादसा भिलाई। नेशनल हाईवे पर एक पल की झपकी ने बड़े हादसे का खतरा पैदा कर दिया। भिलाई के सुपेला चौक के समीप फ्लाइओवर पर लोहे के तारों से लदा मालवाहक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। चालक को नींद की झपकी आई और ट्रक



डिवाइडर से टकराने के बाद बेकाबू हो गया। हादसे के दौरान ट्रक का टायर भी फट गया। गनीमत रही कि उस वक्त ट्रक की चपेट में कोई छोटा वाहन या राहगीर नहीं आया, वरना जानलेवा हादसा हो सकता था। ट्रक छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लोहे के तारों का बंडल लोड कर महाराष्ट्र जा रहा था। सुपेला फ्लाइओवर से उतरते समय चालक को झपकी आ गई। उसने वाहन को संभालने की पूरी कोशिश की, लेकिन ट्रक डिवाइडर से टकराकर पलट गया। फ्लाइओवर पर लगा जाम, वाहनों की लगी लंबी कतार- हादसे के बाद फ्लाइओवर पर आवागमन प्रभावित हो गया। सड़क पर ट्रक पलटने से वाहनों की आवाजाही बाधित हुई और देखते ही देखते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।



सरकारी सेवाओं के लिए नहीं लगाने पड़ेंगे बार-बार चक्कर, सेवा सेतु केंद्र से रामशरण को मिले तीन प्रमाण पत्र

दुर्ग। शासकीय सेवाओं को आम नागरिकों तक आसान तरीके से पहुंचाने की दिशा में सेवा सेतु केंद्र उपयोगी साबित हो रहा है। इसके माध्यम से नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ मिल रहा है। पाटन तहसील के ग्राम खोरपा निवासी रामशरण यादव को भी इस सुविधा से काफी सहूलियत मिली। रामशरण यादव ने आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए 03 सितंबर 2026 को तहसील कार्यालय पाटन स्थित सेवा सेतु केंद्र में आवेदन किया था। आवेदन के लगभग एक माह बाद 10 अक्टूबर 2026 को उन्हें तीनों प्रमाण पत्र प्राप्त हो गए। रामशरण यादव ने बताया कि पहले इन प्रमाण पत्रों के लिए अलग-अलग कार्यालयों में जाना पड़ता था, जिससे समय और मेहनत दोनों लगते थे। सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से उन्हें एक ही जगह आवेदन करने की सुविधा मिली और बिना बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाए प्रमाण पत्र प्राप्त हो गए। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से आम नागरिकों को काफी राहत मिल रही है।

विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा के निधन पर नगर पालिक निगम ने जताया शोक

दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए की प्रार्थना

दुर्ग। नगर पालिक निगम।अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री डोमन लाल कोर्सेवाड़ा के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करने के साथ हुई।नगर पालिक निगम परिसर के मोतीलाल सभागार में महापौर अलका बाघमार, आयुक्त लीना कोसम सहित जनप्रतिनिधियो के अलावा अधिकारियों ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

महापौर अलका बाघमार ने अहिवारा विधायक श्री डोमन लाल कोर्सेवाड़ा के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन



धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की गई।इस अवसर पर एमआईसी देव नारायण चन्द्राकर, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले,नरेंद्र बंजारे,ज्ञानेश्वर ताम्रकर, हर्षिका संभव जैन,शशि साहू, नीलेश अग्रवाल,पार्षद साजन जोसफ,जितेंद्र ताम्रकर, जितेंद्र मोहबिया,गुलशन साहू, सावित्री दमाहे,रंजीता पाटिल,मनोज सोनी,मनीष कोठारी,खालिक रिजवी,लोकेश्वरी ठाकुर,एल्डरमेन गोलू जैन,अनूप सोनी,उपायुक्त मोहद्र साहू,विनीता वर्मा,सलीम सिद्दीकी,प्रकाश चंद थवानी, गिरीश दीवान सहित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

डीपी डीपी एक्ट में निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए स्पष्ट छूट जरूरी : जेसीआई

जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफइंडिया ने डीएनपीए की सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका का किया समर्थन

गाजीपुर। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 (डीपीडीपी एक्ट) में पत्रकारिता के लिए स्पष्ट छूट का प्रावधान किया जाना अत्यंत आवश्यक है। जेसीआई के राष्ट्रीय सलाहकार डा. ए. के. राय ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के हवाले से कहा कि पत्रकारों को समाचार स्रोतों की गोपनीयता बताना और समाचार के प्रकाशन से पहले सम्बन्धित व्यक्ति की सहमति लेने से स्वतंत्र पत्रकारिता प्रभावित होगी जो लोकतंत्र के हित में कदापि नहीं है। इसे लेकर पत्रकार संगठनों ने चिंता जताई है। जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफइंडिया (जेसीआई) ने डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन (डीएनपीए) की ओर से इस कानून के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिका का समर्थन करते हुए पत्रकारिता और



प्रेस की स्वतंत्रता से जुड़े पहलुओं पर स्पष्ट कानूनी प्रावधान की मांग की है। जेसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनुराग सक्सेना ने कहा कि पत्रकारिता के लिए स्पष्ट कानूनी छूट का अभाव खोजी पत्रकारिता और जनहित से जुड़े मामलों की रिपोर्टिंग को प्रभावित कर सकता है। कहा गया है कि भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अनियमितताओं और अन्य जनहित के मामलों की पड़ताल के दौरान पत्रकारों को कई बार व्यक्तिगत या संवेदनशील जानकारियों का इस्तेमाल करना पड़ता है। ऐसे मामलों में यदि प्रत्येक जानकारी के उपयोग या प्रकाशन से पहले संबंधित व्यक्ति की सहमति आवश्यक हो, तो जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों को सामने लाने में व्यवहारिक कठिनाइयां पैदा हो सकती हैं। उन्होंने मांग की कि डीपीडीपी एक्ट में पत्रकारिता के लिए स्पष्ट और व्यापक छूट का प्रावधान किया जाए। जेसीआई ने विशेष रूप से अधिनियम की धारा 17 में जर्नलिस्टिक इक्जम्पशन (पत्रकारिता छूट) को पुनः शामिल करने की मांग की है। संगठन के अनुसार पूर्व के मसौदे में पत्रकारिता के लिए इस प्रकार की छूट का प्रस्ताव था।समाचार स्रोतों की गोपनीयता पर भी जताई चिंता- डॉ. सक्सेना ने अधिनियम की धारा 36 के तहत सरकार को प्राप्त जानकारी मांगने संबंधी शक्तियों को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पत्रकारों और उनके समाचार स्रोतों की गोपनीयता स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए महत्वपूर्ण है। खोजी पत्रकारिता में कई सूचनाएं ऐसे स्रोतों से प्राप्त होती हैं, जिनकी पहचान सार्वजनिक होने पर उनके लिए परेशानी या जोखिम पैदा हो सकता है। इसलिए समाचार स्रोतों की गोपनीयता की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कानूनी संरक्षण आवश्यक है। इसके साथ ही जेसीआई ने आरटीआई अधिनियम की धारा 8(1)(जे) में पूर्ववर्ती व्यवस्था बहाल करने और डीपीडीपी एक्ट की धारा 44(3) के प्रभावों की समीक्षा करने की भी मांग की है। संगठन का कहना है कि व्यक्तिगत निजता की सुरक्षा और जनहित में आवश्यक सूचनाओं तक नागरिकों की पहुंच के बीच संतुलन लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। 17 नवंबर की सुनवाई पर नजर-जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया ने सर्वोच्च न्यायालय से आग्रह किया है कि मामले की आगामी सुनवाई के दौरान प्रेस की स्वतंत्रता, खोजी पत्रकारिता, समाचार स्रोतों की गोपनीयता और जनहित में सूचना तक पहुंच से जुड़े पहलुओं पर भी विचार किया जाए। संगठन ने कहा कि डेटा संरक्षण और निजता की सुरक्षा के उद्देश्यों के साथ-साथ पत्रकारिता की स्वतंत्र भूमिका को भी ध्यान में रखना आवश्यक है। डॉ. अनुराग सक्सेना ने बताया कि जेसीआई पत्रकारों और पत्रकारिता से जुड़े हितों को न्यायालय के समक्ष रखने के लिए इंटरवेंशन एप्लीकेशन (हस्तक्षेप याचिका) दाखिल करने पर भी विचार कर रहा है।

भिलाई विद्यालय में 50वीं स्काउट्स एवं गाइड्स रैली का शुभारंभ

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संघ, भिलाई के समन्वय से आयोजित 50वीं स्काउट्स एवं गाइड्स रैली का शुभारंभ 02 नवम्बर 2026 को भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 के परिसर में हुआ। इसमें छह विभिन्न विद्यालयों के लगभग 192 विद्यार्थी 12 दलों के रूप में भाग ले रहे हैं। तीन दिवसीय रैली के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (शिक्षा) एवं जिला मुख्य आयुक्त (स्काउट/गाइड) श्रीमती शिखा दुबे उपस्थित रहीं। स्काउट-गाइड प्रार्थना के पश्चात मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण किया। इसके उपरांत सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से 'झंडा गीत' प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में श्रीमती शिखा दुबे ने 50वीं स्काउट्स एवं गाइड्स रैली के आयोजन पर सभी प्रतिभागियों को



शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने स्काउट्स एवं गाइड्स के आदर्श वाक्य 'तैयार रहें' का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को नेतृत्व क्षमता, सेवाभाव, साहस एवं अनुशासन जैसे गुणों को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए। ये गुण जीवन की विभिन्न चुनौतियों का सामना करने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि इस रैली के दौरान विकसित होने वाली टीम भावना, आपसी सहयोग एवं समन्वय विद्यार्थियों को जीवनभर उपयोगी सीख प्रदान करेंगे। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए सभी स्काउट्स एवं गाइड्स को प्रत्येक गतिविधि एवं प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने और अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला आयुक्त (गाइड) एवं प्राचार्य, बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 श्रीमती सुमिता सरकार, जिला आयुक्त (स्काउट) एवं प्राचार्य, भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 श्री विजय सिंह पवार, जिला सचिव एवं वरिष्ठ व्याख्याता, भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 श्रीमती सरिता शाक्या, कोषाध्यक्ष (स्काउट/गाइड) एवं प्राचार्य, बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-7 श्रीमती उर्वशी साहू तथा उप प्रबंधक (शिक्षा) श्रीमती वी.आर. कटियार सहित भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विद्यालयों के प्रमुख उपस्थित रहे।

ब्लास्ट फर्नेस-4 एवं ब्लास्ट फर्नेस-7 में डस्ट कैचर के सफल कमीशनिंग में योगदान के लिए कर्मचारी एवं ठेका श्रमिक सम्मानित

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस विभाग में ब्लास्ट फर्नेस-4 एवं ब्लास्ट फर्नेस-7 में डस्ट कैचर के सफल कमीशनिंग में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनके उत्कृष्ट कार्य निष्पादन, तकनीकी दक्षता एवं समर्पित प्रयासों की सराहना की गई। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) श्री विवेक वर्मा, महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) श्री अभिक चक्रवर्ती, महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) श्री नवीन तिवारी एवं उप प्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) श्री राजेश मराठे विशेष रूप से उपस्थित रहे। ब्लास्ट फर्नेस-4 एवं ब्लास्ट फर्नेस-7 में डस्ट कैचर का निर्धारित समय-सीमा के भीतर सफल कमीशनिंग करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य



था। सुनियोजित कार्ययोजना, तकनीकी दक्षता, आपसी समन्वय एवं सुरक्षा नियमों के पूर्ण पालन से इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सका। इस उपलब्धि में विभाग के कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस कार्य में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले कर्मचारियों में जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट (जेईए) श्री घनश्याम सिंह सिदार, इंजीनियरिंग एसोसिएट (ईए) श्री अहिवरन लाल, जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट (जेईए) श्री राजकुमार त्यागी तथा ठेका श्रमिक श्री बृजेश कुमार सिंह, श्री संतोष साहू, श्री लाल सिंह, श्री मुकेश साहू एवं श्री शिवकांत दलई शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम भावना एवं सामूहिक सहभागिता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों के समन्वित प्रयास विभाग की परिचालन विश्वसनीयता बढ़ाने, सुरक्षा मानकों को बनाए रखने तथा कार्य निष्पादन की गुणवत्ता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

फेस ऑथेंटिकेशन से घर बैठे जमा कर सकेंगे डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र

राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 1 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक संचालित, बैंक ऑफबड़ौदा ने पेंशनभोगियों को किया जागरूक



दुर्ग/ राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान के तहत बैंक ऑफबड़ौदा की भिलाई सिविक सेंटर शाखा में पेंशनभोगियों को फेस ऑथेंटिकेशन सुविधा के प्रति जागरूक किया गया। भारत सरकार के पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग, नई दिल्ली के अवर सचिव श्री प्रवेश कुमार ने 2 नवंबर को शाखा का दौरा कर अभियान के तहत आयोजित जागरूकता गतिविधियों का जायजा लिया।इस दौरान पेंशनभोगियों को बताया गया कि वे अपने स्मार्टफोन के माध्यम से फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक का उपयोग कर घर बैठे ही डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। इससे उन्हें जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए बैंक या अन्य कार्यालयों में व्यक्तिगत रूप से जाने की आवश्यकता नहीं होगी और समय एवं श्रम की बचत होगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 1 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य पेंशनभोगियों को डिजिटल माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की सुविधा के प्रति जागरूक करना है।

भिलाई इस्पात संयंत्र में 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026' संपन्न

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग द्वारा 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026' का समापन समारोह 02 नवम्बर 2026 को महात्मा गांधी कला मंदिर में निदेशक प्रभारी, भिलाई इस्पात संयंत्र, श्री चित्त रंजन महापात्र के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री ए. के. चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री प्रवीन निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार तथा कार्यपालक निदेशक (रावघाट) श्री अरुण कुमार उपस्थित रहे। साथ ही, विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधकगण, महाप्रबंधकगण, वरिष्ठ अधिकारी, विभागीय प्रतिनिधि



एवं सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के प्रतिभागी भी समारोह में शामिल हुए। समारोह के प्रारंभ में महाप्रबंधक (सतर्कता) श्री संदीप गुप्ता ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया तथा सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष ÷समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा÷ थीम के अंतर्गत कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं समाज के विभिन्न वर्गों में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता तथा नैतिक आचरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मुख्य अतिथि निदेशक प्रभारी श्री चित्त रंजन महापात्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि सत्यनिष्ठा किसी भी संस्थान की विश्वसनीयता और दीर्घकालिक सफलता का आधार है। उन्होंने कहा कि समृद्धि केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें नैतिक मूल्यों, पारदर्शिता, जवाबदेही और विश्वास पर आधारित कार्यसंस्कृति का भी महत्वपूर्ण योगदान है। प्रत्येक कर्मचारी को अपने कार्यों एवं निर्णयों में ईमानदारी, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यप्रणालियों में पारदर्शिता और नियमों का पालन अनियमितताओं की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने दैनिक कार्यों में नैतिक मूल्यों को अपनाने तथा सत्यनिष्ठा को संस्थागत संस्कृति का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रतिबद्धता और नैतिक आचरण के माध्यम से भिलाई इस्पात संयंत्र उत्कृष्टता एवं सतत प्रगति के नए आयाम स्थापित कर सकता है। इस अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों ने सतर्कता विषय पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए। इसके पश्चात सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों पर आधारित एक सॉश्निप्त वीडियो डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं, रैली, शपथ ग्रहण समारोह एवं जन-जागरूकता अभियानों की झलकियाँ शामिल थीं।कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों, निर्णायकों तथा भिलाई इस्पात संयंत्र के विद्यालयों में संचालित एथिक्स क्लब से जुड़े विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समापन सत्र का संचालन उप महाप्रबंधक (सतर्कता) श्री नौशाद आलम ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (सतर्कता) सुश्री रेणु गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया।

वार्ड क्रमांक 10, 11 एवं 13 में 86.84 लाख की लागत से होंगे सड़क नवीनीकरण कार्य, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

15वें वित्त आयोग मद से बी.टी. रोड रिनिवल कार्यों को मिलेगी गति, गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने अधिकारियों को दिए निर्देश



दुर्ग/ नगर पालिक निगम। नगर पालिक निगम क्षेत्र में नागरिकों को बेहतर सड़क एवं सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शहर के विभिन्न वार्डों में सड़क नवीनीकरण एवं डामरीकरण के कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में महापौर अलका बाघमार के निर्देश पर आज लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने अधिकारियों के साथ वार्ड क्रमांक 10, 11 एवं 13 में 15वें वित्त आयोग मद से स्वीकृत बी.टी. रोड रिनिवल (डामरीकरण) कार्यों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले तथा उप अभियंता करण यादव उपस्थित रहे। लोक कर्म प्रभारी ने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने अधिकारियों से नियमित रूप से फील्ड में उपस्थित रहकर निर्माण कार्यों की निगरानी करने तथा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा।प्रथम चरण में वार्ड क्रमांक 10 में दुर्गा चौक से बुद्ध विहार तक तथा वार्ड क्रमांक 11 में शंकर नगर बुद्ध विहार चौक से कुर्मी भवन एवं अन्य स्थानों तक बी.टी. रोड रिनिवल का कार्य कराया जाएगा। इन कार्यों की कुल स्वीकृत लागत राशि 42.20 लाख रुपये है।इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 13 के मोहन नगर क्षेत्र में 15वें वित्त आयोग मद से विभिन्न स्थानों पर सड़क नवीनीकरण कार्य प्रारंभ किए गए हैं। इनमें कश्यप के घर से ईश्वर वर्मा के घर तक, आकाश दानी गली से लाल बिल्डिंग होते हुए हैंडपंप एवं शीतला मंदिर तक तथा गुप्ता नर्सिंग होम से चंद्राकर के घर तक बी.टी. रोड रिनिवल कार्य शामिल हैं। इन कार्यों की कुल लागत राशि 44.64 लाख रुपये है। इस प्रकार वार्ड क्रमांक 10, 11 एवं 13 में कुल 86.84 लाख रुपये की लागत से सड़क नवीनीकरण के कार्य कराए जा रहे हैं। इन कार्यों के पूर्ण होने से संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को बेहतर सड़क एवं आवागमन की सुविधा मिलेगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com